हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 333, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 22 मई, 2022 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

मुख्यमंत्री की सलाह- ठेका पट्टा से दूर रहें विधायक अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग के चक्कर में न पड़ें

जनप्रतिनिधियों को आदर्श जनप्रतिनिधि के तौर पर अपनी छवि बनाने की सलाह दी

लखनऊ। नव निर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों को सार्वजनिक जीवन में शुचिता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने विधायकों को ठेके पट्टे से दूर रहकर जनता की सेवा में जुटने की नसीहत दी। उन्होंने विधायकों को अधिकारियों की ट्रांसफर व पोस्टिंग के चक्कर में न पड़ने की सलाह देते हुए कहा कि इससे जनता के बीच आपकी छवि खराब होगी।

विधानभवन के तिलक हाल में विधायकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने जनप्रतिनिधियों को एक आदर्श जनप्रतिनिधि के तौर पर अपनी छवि बनाने की सलाह दी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि फील्ड में जाकर जनता के बीच सकारात्मक भाव से काम करने से ही आपकी छवि बनेगी। उन्होंने कहा कि सार्वजानिक जीवन में शालीनता और धैर्य का बड़ा महत्व है और इसे आत्मसात करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। शार्टकट या ठेके पट्टे से सार्वजानिक जीवन का पतन होगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जनता से अच्छा व्यवहार करने के साथ ही उनकी सेवा मे तत्परता दिखाने की भी सलाह दी। मुख्यमंत्री ने विधायकों से जनता से सीधा संवाद रखने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार ने तय किया है कि मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्री सोमवार से बृहस्पतिवार तक लखनऊ में रहेंगे और शुक्रवार से रविवार तक फील्ड में जाकर जनता के बीच रहकर काम करेंगे। इससे जनता की समस्याओं को समझने में आसानी होगी। उन्होंने विपक्ष के विधायको से भी खास तौर पर अपील करते हुए कहा कि विकास को लेकर राजनीति को आड़े नहीं आने देना चाहिए। सरकार कि योजनाएं जनता के लिए बनती है इसलिए योजनाओं का लाभ जनता को दिलाने में सकारात्मक सोच के साथ काम करें। इस मौके पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भी विधायकों से जनता से जुड़कर काम करने की सलाह दी। अपना अनुभव बताते हुए कहा कि यदि आप अपने क्षेत्र का काम कराना चाहते हैं तो अधिकारियों से कभी भी मत उलझिए। अन्यथा आपका काम कभी नहीं होगा। उन्होंने विधायकों के साथ ही मंत्रियों को भी क्षेत्र में नियमित प्रवास करके जनता से संवाद करने और उनकी समस्याएं जानने की आदत डालने को कहा।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर भारतीय युवा कांग्रेस ने शुरु किया 'भारत जोड़ो' अभियान

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने एक नए अभियान की शुरूआत कर दी है। बता दें कि 21 मई, शनिवार को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर 'भारत जोड़ो' अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। इस भव्य कार्यक्रम के दौरान राजीव गांधी के जीवन और प्रतिभा खोज कार्यक्रमों पर आधारित रक्तदान शिविर, फोटोग्राफी प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया गया। राजीव क्रांति भारत जोड़ो अभियान की शुरूआत करने के लिए इस कार्यक्रम में कांग्रेस के कई बड़े नेता भी मौजूद रहे, जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय माकन, पवन कुमार बंसल, अलका लांबा, मनोज त्यागी व अन्य शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी 31 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस बीच पूर्व प्रधान मंत्री को याद करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेरे पिता एक दूरदर्शी नेता थे, जिनकी नीतियों ने आधुनिक भारत को आकार देने में मदद की। वायनाड के सांसद ने ट्विटर पर कहा कि वह एक करुणामय और दयालु व्यक्ति थे। मेरे और प्रियंका के लिए एक अद्भुत पिता थे, जिन्होंने हमें क्षमा और सहानुभूति का मूल्य सिखाया।

केंद्र की चेतावनी-बिजली कंपनियों के 9692 करोड़ रु. चुकाए यूपी सरकार, नहीं तो रोक दी जाएगी आपूर्ति

लखनऊ। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को बिजली उत्पादक कंपनियों (जेनको) व कोल इंडिया के 9692 करोड़ रुपये के बकाये का तत्काल भुगतान करने को कहा है। तत्काल भुगतान न करने पर प्रदेश की बिजली रोकने की भी चेतावनी दी गई है। केंद्र के इस कदम से वित्तीय संकट से जूझ रहे पावर कॉपोर्रेशन के सामने अतिरिक्त बिजली के इंतजाम के साथ भुगतान की चुनौती खड़ी हो गई है।

विदेशी कोयले की खरीद के बाद अब केंद्र ने प्रदेश सरकार पर जेनको व कोल इंडिया के बकाये के भुगतान का दबाव बढ़ा दिया है। केंद्रीय ऊर्जा सचिव आलोक कुमार ने प्रदेश के प्रमुख सचिव ऊर्जा को पत्र भेजकर कहा है कि जेनको का 9372.49 करोड़ तथा कोल इंडिया का 319.82 करोड़ रुपये बकाये का तत्काल भुगतान किया जाए नहीं तो प्रदेश की बिजली रोकी जा सकती है। केंद्र सरकार की इस चेतावनी ने पावर कॉपोर्रेशन व राज्य विद्युत उत्पादन निगम के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। दरअसल, हर महीने आपूर्ति की जा रही बिजली के अनुपात में राजस्व वसूली नहीं हो पा रही है जिससे पावर कॉपोर्रेशन नियमित रूप से जेनको और राज्य विद्युत उत्पादन निगम को बिजली का भुगतान नहीं कर पा रहा है। भुगतान न मिलने से उत्पादन निगम कोल इंडिया को भुगतान नहीं कर पा रहा है। चूंकि प्रदेश में बिजली की जबर्दस्त किल्लत है इसलिए पावर कॉपोर्रेशन को एनर्जी एक्सचेंज व अन्य स्रोतों से अतिरिक्त बिजली भी खरीदनी पड़ रही है। ऐसे में तत्काल भुगतान करना बेहद मुश्किल हो रहा है। उत्पादन निगम के अधिकारियों का कहना है कि अनुबंध के अनुसार पावर कॉपोर्रेशन जिन उत्पादन इकाइयों से बिजली खरीदता है उनको लगातार भुगतान करता रहता है और भुगतान में देरी पर 12 से 18 प्रतिशत तक ब्याज भी देना पड़ता है। बिजली संकट के दौर में इस तरह का दबाव बनाना सही नहीं है। उधर, राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि केंद्र सरकार की ओर से बकाये पर बिजली रोकने की धमकी देना असांविधानिक है। यह धमकी पावर कॉपोर्रेशन को नहीं, बल्कि प्रदेश के तीन करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को दी जा रही है।

भारतीय तटरक्षक जहाजों को मिली बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक जहाजों को बड़ी कामयाबी मिली है। जहाजों ने लक्षद्वीप के तट से ड्रग्स की बड़ी खेप को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार बीती रात तटरक्षक जहाजों ने प्रिंस और लिटिल जीसस नाम की दो नावों का पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। ICG अधिकारियों के मुताबिक, नावों से 1,520 करोड़ रुपये से अधिक की दवाएं बरामद हुई हैं। इस पूरी कार्रवाई को ऑपरेशन 'खोजबीन' के तहत अंजाम दिया गया। भारतीय तटरक्षक जहाजों ने राजस्व खुफिया निदेशालय के साथ संयुक्त रूप से इस आपरेशन को लान्च किया।

आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत और जापान से मिली बड़ी मदद, कल कोलंबो पहुंचेगा भारतीय जहाज

नई दिल्ली। श्रीलंका अपनी आजादी के बाद सबसे खराब हालातों से जूझ रहा है। यहां आर्थिक हालात बद से बदतर हो गए हैं। आवश्यक वस्तुओं का अकाल पड़ गया है। महंगाई चरम पर है और देश अब तक के सबसे बड़े राजनीतिक उथल-पुथल से गुजर रहा है। इस सबके बीच श्रीलंका के लिए राहत भरी खबर है। देश को जल्द ही भारत और जापान की ओर से बड़ी मदद मिलने जा रही है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने बताया कि संकटग्रस्त श्रीलंका के लोगों के लिए तत्काल राहत सामग्री जैसे चावल, दवाइयां और दूध पाउडर से लदा एक भारतीय जहाज रविवार को कोलंबो पहुंचने वाला है। गौरतलब है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को चेन्नई से राहत सामग्री से लदे इस जहाज को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। भारत की ओर से श्रीलंका को भेजे जाने वाली पहली खेप में 9,000 मीट्रिक टन चावल, 200 मीट्रिक टन दूध पाउडर और 24 मीट्रिक टन जीवन रक्षक दवाएं शामिल हैं। इनकी कुल कीमत 45 करोड़ रुपये है। भारतीय मिशन ने ट्वीट किया, भारत के लोग श्रीलंका के साथ खड़े हैं। उधर, जापान ने भी आवश्यक खाद्य सामग्री और स्कूल भोजन कार्यक्रम के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम के माध्यम से 1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मदद की घोषणा की है। इसके तहत जापान सरकार श्रीलंका में लगभग 15,000 शहरी और ग्रामीण लोगों और 380,000 स्कूली बच्चों के लिए तीन महीने की आवश्यक खाद्य आपूर्ति प्रदान करेगी। आर्थिक संकट और हिंसा के बीच श्रीलंका में लागू आपातकाल शनिवार को हटा लिया गया।

दिल्ली : बवाना और पांडव नगर में लगी आग, दमकल की दर्जनों गाड़ियां मौके पर

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार दिन दो इलाकों में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। बताते चलें कि आज सुबह करीब 11.05 बजे ही बवाना की एक फैक्टरी और पांडव नगर इलाके में आग लग गई। जानकारी के अनुसार बवाना की एक फैक्टरी में आग लगने से वहां अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई जिसके बाद सात-आठ दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। वहीं आग की एक अन्य घटना में पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर इलाके में एक दुकान में आग लग गई। दमकल विभाग को इस हादसे की सूचना 11.05 बजे मिली जिसके बाद दमकल की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। दोनों ही घटनाओं में अब तक किसी भी जनहानि की कोई खबर नहीं है। अब तक यह भी पता नहीं चल सका है कि इन जगहों पर आग कैसे लगी और कितना नुकसान हुआ है।

सीबीआइ की छापेमारी के बाद तेज प्रताप यादव की हुंकार, यादव की ताकत से पूरा ब्रह्मांड डोलता है...

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के पटना समेत कई अन्य ठिकानों पर सीबीआइ की छापेमारी के बाद सियासत खूब तेज हो गई है। राजद ने इसे भाजपा की साजिश बताते हुए वार किया है तो भाजपा ने भी कड़ा पलटवार किया है। लालू परिवार के कई सदस्यों ने इस कार्रवाई का विरोध किया है। लंदन में मौजूद तेजस्वी यादव समेत उनके बड़े भाई तेजप्रताप, बहन रोहिणी आदि ने सीबीआइ की रेड को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है।

अब तेज प्रताप को याद आई यादवों की ताकत- तेज प्रताप ने छापेमारी के बाद ट्वीट कर सीबीआइ पर तंज कसा। कहा कि हम यदुवंशी, गाय पालने वाले लोग हैं। हमारे यहां बहुत सारा गोबर है, ले जाओगे क्या। शनिवार को भी उन्होंने एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने यादवों की ताकत की चर्चा की है। भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप की तस्वीर पोस्ट करते हुए तेज प्रताप ने लिखा है, यादव की ताकत से पूरा ब्रह्मांड डोलता है, ये हम नहीं हमारा इतिहास बोलता है। अंत में लिखा है जय यदुवंशी। इससे पहले तेज प्रताप ने छोटे भाई तेजस्वी के ट्वीट को भी रीट्वीट किया है जिसमें तेजस्वी ने लिखा है कि, सत्य व तथ्य का मार्ग वह अग्निपथ है जिसपर चलना कठिन है असंभव नहीं। उन्होंने अपनी ट्वीट में एक शेर भी लिखा, ऐ हवा कह दो दिल्ली के दरबारों से, नहीं डरा है नहीं डरेगा, लालू इन सरकारों से। मालूम हो कि शुक्रवार को सीबीआइ की अलग-अलग टीमों ने लालू प्रसाद यादव से जुड़े 17 ठिकानों पर एक साथ रेड की। पटना में राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास पर सीबीआइ की टीम करीब 10 घंटे तक जांच-पड़ताल करती रही। इस दौरान आवास के बाहर समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। राजद के विधायक व कार्यकर्ता सड़क पर ही धरना पर बैठ गए। इधर कांग्रेस व वामदलों ने भी सीबीआइ की छापेमारी पर कड़ा हमला किया है।

पांच राज्यों में बाढ़ जैसे हालात, दिल्ली में आज भी आंधी-बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के अधिकतर राज्यों में जहां गर्मी से लोगों का बुरा हाल है वहीं कुछ राज्य ऐसे हैं जहां बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इन राज्यों में असम, कर्नाटक, केरल, मेघालय और मणिपुर शामिल हैं। इन राज्यों में भारी बारिश के कारण जगह-जगह जल जमाव हो गया है। लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। केरल और कर्नाटक में अरब सागर की ओर से चलने वाली तेज चक्रवाती हवाओं के कारण मूसलाधार बारिश हो रही है। असम में बाढ़ से आठ लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 14 लोगों की मौत हो गई है। वहीं जमुनामुख जिले के दो गांवों के 500 से अधिक परिवारों को रेलवे पटरियों पर रहना पड़ रहा है। 1413 गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित जिला नौगांव है, जहां के 2.88 लाख लोग इस विभीषिका का सामना कर रहे हैं। वहीं, कछार में 1.2 लाख और होजाई में एक लाख सात हजार लोग प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल, सेना और असम राइफल्स के जवान जुटे हुए हैं। असम सरकार ने आवाजाही के संकट को देखते हुए सिलचर और गुवाहाटी के बीच 3000 रुपये में आपात उड़ान सेवा शुरू की है। कछार जिला प्रशासन ने हालात को देखते हुए सभी शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया है। केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है। यहां के चार जिलों कोझीकोड, वायनाड, कुनूर और कासरगोड के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट का अर्थ है इन जिलों में भारी बारिश होने के आसार हैं। आईएमडी ने सुबह में चार जिलों के साथ-साथ त्रिशूर, पलक्कड़ और मलप्पुरम सहित सात जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था।

सीबीआइ ने दिल्ली, मुंबई और गुरुग्राम सहित ब्रोकरों के 10 से अधिक ठिकानों पर मारे छापे

नई दिल्ली। सीबीआइ नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसइ) को-लोकेशन मामले में मनी लांड्रिंग की जांच के तहत आज कई स्थानों पर छापेमारी की है। एजेंसी ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, गांधीनगर, नोएडा और गुरुग्राम सहित 10 से अधिक स्थानों पर तलाशी ली है। सूत्रों के अनुसार सीबीआइ अपनी कार्रवाई के तहत मामले से जुड़े कुछ ब्रोकरों के ठिकाने पर यह तलाशी ले रही है। बता दें कि सीबीआइ ने इस मामले में कुछ दिन पहले ही एनएसइ की पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चित्रा रामकृष्ण और समूह संचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यम को हिरासत में लिया था। ईडी भी इस मामले की जांच कर रहा है। गौरतलब है कि रामकृष्ण और अन्य पर सुब्रमण्यम को मुख्य रणनीतिक सलाहकार नियुक्त करने के लिए प्रशासनिक लापरवाही करने का आरोप लगा है। जांच के अनुसार, ओपीजी सिक्योरिटीज, प्राथमिकी में प्रतिवादियों में से एक, 2010 से 2015 तक 'फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस' सेगमेंट में 670 कारोबारी दिनों में सेकेंडरी पीओपी सर्वर से जुड़ा था, जबकि रामकृष्ण एनएसई के मामलों का प्रबंधन कर रहे थे। सीबीआई आरोपों की जांच कर रही है कि एनएसई के अधिकारियों ने कुछ दलालों को तरजीही पहुंच प्रदान की और रामकृष्ण और सुब्रमण्यम के कार्यकाल के दौरान इससे अनुचित लाभ कमाया। अधिकारियों ने कहा कि रामकृष्ण, जिन्होंने 2013 में पूर्व सीईओ रवि नारायण की जगह ली थी, ने

सुब्रमण्यम को अपना सलाहकार नियुक्त किया था, जिन्हें बाद में सालाना 4.21 करोड़ रुपये के मोटे वेतन पर समूह संचालन अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया था। सुब्रमण्यम के ई-मेल एक्सचेंजों की एक जांच से पता चला है कि उनकी विवादास्पद नियुक्ति और बाद में पदोन्नति के दौरान उन्हें हिमालय से एक रहस्यमय, निराकार "योगी" (रहस्यवादी) द्वारा निर्देशित किया गया था। रामकृष्ण ने व्यक्ति को हिमालय में एक रहस्यमय "योगी" (रहस्यवादी) के रूप में बताया था। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने 2018 में दिल्ली स्थित ओपीजी सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के मालिक और प्रमोटर, स्टॉक ब्रोकर संजय गुप्ता को स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सिस्टम तक जल्दी पहुंच प्राप्त करने के आरोप में बुक किया था। एजेंसी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), एनएसई, मुंबई और अन्य अज्ञात लोगों के अज्ञात अधिकारियों की भी जांच कर रही है। यह आरोप लगाया गया है कि उक्त कंपनी के प्रमोटर और मालिक ने एनएसई के सर्वर आर्किटेक्चर का दुरुपयोग करने के लिए अज्ञात एनएसई अधिकारियों के साथ साजिश रची थी। सीबीआई ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि एनएसई, मुंबई के अज्ञात अधिकारियों ने 2010 और 2012 के दौरान को-लोकेशन सुविधा का उपयोग करके उक्त कंपनी को अनुचित पहुंच प्रदान की थी। अन्य दलाल, प्राथमिकी में कहा गया है, इसने किसी भी समय से पहले स्टॉक एक्सचेंज के एक्सचेंज सर्वर में लॉग इन करने में सक्षम बनाया।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा, वाहन के पेड़ से टकराने से 7 लोगों की हुई मौत, 10 घायल

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक भीषण सड़क हादसा होने की जानकारी मिली है। बीती रात धारवाड़ के निगडी में एक वाहन के पेड़ से टकराने से सात लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में 10 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा उस समय हुआ जब कुछ लोग शादी में शामिल होने के बाद बेंककट्टी लौट रहे थे। इस दौरान वाहन चालत की लापरवाही के चलते वाहन पेड़ से जा टकराया। इस वाहन में 21 लोग सवार थे। पुलिस ने चालक के खिलाफ धारा 304 ए आइपीसी (लापरवाही से मौत का कारण) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि आगे कि जांच चल रही है। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में तीन बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई है। घटना में घायल हुए लोगों को हुबली के केआइएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना उस समय हुई जब एक परिवार के कई सदस्य एक समारोह में शामिल होकर मनासुर गांव से वापस लौट रहे थे। पीड़ितों की पहचान अनन्या (14), हरीश (13), महेश्वर (11), शिल्पा (34), नीलाव्वा (60), मधुश्री (20) और शंभूलिंगैया (35) के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आपको बता दें कि इससे पहले 19 मार्च को कर्नाटक में बड़ा सड़क हादसा सामने आया था। कर्नाटक के तुमकुर जिले के पावागढ़ा के पास बस के पलटने से आठ लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए थे।

संपादकीय

पाक-चीन की उड़ी नींद

अमेरिका ने खबर दी है कि भारत जल्द ही रूस से मिले मिसाइल सिस्टम एस-400 को पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात करने वाला है। यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत इसे कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके बत्तीस विमानों को मार कर गिरा सकती है। मगर अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है, मगर वह भी एक ब्रह्मास्त्र से खौफ खाता है। वह है रूस का एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली। भारत ने रूस से इसका सौदा किया तो अमेरिका का पारा चढ़ गया। असल में एस-400 की तैनाती का मतलब है, देश की सुरक्षा की गारंटी और इस मिसाइल के प्रहार का मतलब है, आसमान में अभेद्य कवच। यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत मिसाइल रक्षा प्रणाली को कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके 32 विमानों को मार कर गिरा सकता है। इस रक्षा प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है सीमा पर इस रक्षा प्रणाली की तैनाती से चीन और पाकिस्तान पर होने वाला असर, क्योंकि यही हमारे दुश्मन देश हैं। मगर अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे। इस संबंध में अमेरिका में 2017 में एक कानून लाया गया था, ताकि अगर कोई देश विरोध के बावजूद रूस से कोई रक्षा सौदा करता है तो उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। सवाल है कि क्या अमेरिका अब भारत पर भी प्रतिबंध लगाएगा? भारत को एस-400 की कुल पांच रेजीमेंट मिलने वाली हैं, जिनमें पांच मोबाइल कमांड सेंटर, दस रडार और दस लांचर होंगे। यानी पाकिस्तान और चीन भारत पर हवाई हमला करने के बारे में अब शायद सोच भी नहीं पाएंगे। अमेरिका शुरू से ही नहीं चाहता था कि भारत कभी रूस से इस मिसाइल रक्षा प्रणाली को खरीदे। अमेरिका में 2017 में एक कानून आया था कि अगर कोई देश रूस के साथ हथियारों का सौदा करता है तो उसे प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इस कानून को वहां 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्टइ कहते हैं। अमेरिका ने यह कानून हथियारों के निर्यात में रूस को कमजोर करने के लिए बनाया था। अभी पूरी दुनिया में हथियारों का सबसे ज्यादा 37 प्रतिशत निर्यात अमेरिका करता है। रूस की हथियारों के बाजार में हिस्सेदारी बीस प्रतिशत के आसपास है। 2018 में जब चीन ने रूस से यही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदी, तो अमेरिका ने चीन पर प्रतिबंध लगा दिए थे। इसी तरह तुर्की ने भी यह प्रणाली खरीदी, तो अमेरिका ने उस पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। अमेरिका ने उसका निर्यात लाइसेंस रद्द करके उसे काली सूची में डाल और उसकी परिसंपत्तियों को जब्त कर लिया था। संभव है कि भारत के मामले में भी कुछ समय बाद अमेरिका इसी तरह के कदम उठाए। हालांकि भारत के मामले में अपवाद की स्थिति भी बन सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में एक कानून पास करवाया था, जिसके तहत अमेरिका ने उन देशों को प्रतिबंध लगाने वाले कानून से छूट दे दी थी, जो पहले से रूस से रक्षा संबंधी लेनदेन कर रहे थे। भारत के संदर्भ में यह कानून लागू होता है, क्योंकि आज भी भारत के पास ज्यादातर हथियार रूस के हैं। 1960 के दशक से ही रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा सहयोगी रहा है।

जाती पोल खुल !

करो न फर्जी काम ।
जाती पोल खुल ।।
लग जाता है पता ।
क्या खिलाए गुल ?
सामने अब मामला ।
राज बाहर आया ।।
गलत विचारों का अब तो ।
होना तय सफाया ।।
है बना माहौल ।
आना तय बदलाव ।।
पर मुश्किल है जल्द ।
भरे शायद घाव ।।
जांच और पड़ताल में ।
बात खुल कर आई ।।
जल्दबाजी कर दी ।
ले ली फिर अंगड़ाई ।।

–कृष्णेन्द्र राय

आधुनिक भारत के शिल्पकार और सूचना क्रांति के जनक थे राजीव गांधी

आधुनिक भारत के शिल्पकार के रूप में विश्व में विख्यात राजीव गांधी हमारे देश के एक ऐसे दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने हम सभी देशवासियों को 21वीं सदी के आधुनिक भारत के निर्माण का बहुत ही बेहतरीन शानदार सपना दिखाया और उसको पूरा भी किया। राजीव गांधी जी ने अपने सपने को देश के धरातल पर मूर्तरूप देकर उतारने के लिए अपने प्रधानमंत्री के बहुत छोटे कार्यकाल में ही बहुत तेजी से युद्धस्तर पर कार्य करना शुरू कर दिया था। लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था जिसके चलते उन्होंने हम से राजीव गांधी जी को असमय बहुत ही जल्दी छीन लिया, उनका असमय यूं दुनिया से चले जाना कहीं ना कहीं देश के विकास में गतिरोधक भी बना। भारतीय इतिहास में वो काला दिन था 21 मई 1991 को जिस दिन अचानक सभी देशवासियों को अंदर तक झकझोर देने वाली खबर प्रसारित हुई की भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या तमिलनाडु के श्रीपेराम्बदूर में एक आत्मघाती विस्फोट हमले में कर दी गयी है। देश के आम व खास सभी लोगों को झकझोर देने वाली इस दुखद खबर से अचानक ही देश में हर तरफ शोक की लहर दौड़ पड़ी थी, प्रत्येक भारतवासी अवाक रह गया, करोड़ों लोग स्तब्ध रह गये कि ये देश पर अचनाक कैसा वज्रपात कैसे हो गया। उस समय देश के अधिकतर लोगों की आँखों में आंसू थे, लोगों की आँखों के ये आंसू भारत के महान सपूत अपने लाड़ले जनप्रिय नेता के लिए थे ना कि ये आंसू किसी राजनैतिक दल के नेता के लिए थे। ये उस आंसू व्यक्ति के लिए थे जिसे ये भारतवासी दिलोजान से चाहते थे, जो आर्तकियों के हमले के चलते असमय काल का ग्रास बन गये थे। लोगों की ये पीढ़ा भारतीय राजनीति के उज्ज्वल भविष्य के उस चेहरे राजीव गांधी के लिए थी। उस दिन देश में हर तरफ शोक का गमगीन माहौल लोगों को बार-बार यह एहसास जरूर करवा रहा था कि आज देश में कोई बहुत ही बड़ी त्रासदी हुई है। राजीव गांधी के बाद कई नेताओं का दुनिया व हमारे देश में देहांत हुआ है लेकिन फिर कभी देश को वैसी पीड़ा और कष्ट शायद ही कभी हो। इस सबके लिए जिम्मेदार था राजीव गांधी जी का कुशल व्यवहार व देश के आम जनमानस के उज्ज्वल भविष्य के लिए दिल से सोच कर नीतियों को बनाने वाली उनकी कार्यशैली। इसलिए राजीव गांधी जी के बारे में यह कहना उचित होगा कि कुछ लोग ताउम्र लोगों के दिलोदिमाग पर छा जाते है। राजीव गांधी भी एक ऐसी ही महान शख़्सियत थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में केवल भारत की जमीन पर राज ना करके बल्कि देशवासियों की सेवा करके उनके दिलों पर हुकूमत की थी। भले ही आज राजीव गांधी जी इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन फिर भी वो करोड़ों लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा हैं और रहेंगे। चाहें कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक दल उनकी छवि को खराब करने के लिए कितने भी प्रयास कर ले, लेकिन देश के विकास में उनके अनमोल योगदान को कभी भुला नहीं सकता है। आज हमारे देश में ओछी राजनीति के चक्कर में अपने ही पूर्वजों व महापुरुषों का चरित्र हनन करने का जो फैशन चल पड़ा है वह ठीक नहीं है, हमको समझना होगा कि महापुरुष देश की अनमोल धरोहर होते है, वो किसी एक राजनीतिक दल का बपोती नहीं होते हैं, इतिहास को कुरेद-कुरेद कर उनकी छवि को खराब करना कहीं से भी सही नहीं है।

अपने स्वभाव से बेहद धीर गंभीर राजीव गांधी जी आधुनिक सोच और निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता वाले असाधारण व्यक्तित्व के व्यक्ति थे, वो भारत को विश्व की अत्याधुनिक तकनीकों से लैस करके भारत को ताकतवर विकसित देशों की श्रेणी में जल्द से जल्द लाना चाहते थे। राजीव अक्सर कहा करते थे कि भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखते हुए उनका सबसे बड़ा सपना इक्कीसवीं सदी के आधुनिक विकसित भारत का निर्माण करने का है।

राजीव गांधी का जीवन परिचय-

राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त, 1944 को मुंबई में हुआ था। वे सिर्फ तीन साल के थे, जब देश आजाद हुआ और उनके नाना पंडित जवाहर लाल नेहरू आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने। राजीव गांधी ने अपना बचपन अपने नाना के साथ तीन मूर्ति हाउस में बिताया था, जहां इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नेहरू की परिचारिका के रूप में काम करती थी। वे कुछ वक़्त के लिए देहरादून के वेल्हम स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी गए, लेकिन जल्द ही उन्हें हिमालय की तलहटी में स्थित आवासीय दून स्कूल में भेज दिया गया। बाद में उनके छोटे भाई संजय गांधी को भी इसी स्कूल में भेजा गया, जहां दोनों साथ रहे। स्कूल से निकलने के बाद राजीव गांधी कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज गए, लेकिन जल्द ही वे वहां से हटकर लंदन के इम्पीरियल कॉलेज चले गए वहां उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। उनके सहपाठियों के मुताबिक उनके पास दर्शन, राजनीति या इतिहास से संबंधित पुस्तकें न होकर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की बहुत सारी पुस्तकें हुआ करती थीं। हालांकि उनकी संगीत में बहुत दिलचस्पी थी उन्हें पश्चिमी और हिन्दुस्तानी शास्त्रीय और आधुनिक संगीत पसंद था। उन्हें फोटोग्राफी और रेडियो सुनने का भी खासा शौक था, हवाई जहाज उड़ाना उनके जीवन का सबसे बड़ा जुनून था। इंग्लैंड से घर लौटने के बाद उन्होंने दिल्ली फ़्लाइंग क्लब की प्रवेश परीक्षा पास की और व्यावसायिक पायलट का लाइसेंस हासिल किया। इसके बाद वे 1968 में घरेलू राष्ट्रीय जहाज कंपनी इंडियन एयरलाइंस के सफल पायलट बन गए। बाद में उन्होंने कैम्ब्रिज में पढ़ रही इटली की एंटोनियो माइनो (सोनिया गांधी) जो उस वक़्त वहां अंग्रेजी भाषा की पढ़ाई कर रही थीं, से वर्ष 1968 में नई दिल्ली में शादी कर ली। वे अपने दोनों बच्चों राहुल और प्रियंका के साथ नई दिल्ली में इंदिरा गांधी के निवास पर रहकर खुशी-खुशी अपनी जिन्दगी गुजार रहे थे। तब ही 23 जून 1980 को एक विमान दुर्घटना में उनके भाई संजय गांधी की मौत ने उनके जीवन के हालात एकाएक बदल कर रख दिए। उन पर राजनीति में आकर अपनी माँ इंदिरा की मदद करने का जबरदस्त दबाव बनने लगा। फिर कई अंदरूनी और बाहरी चुनौतियां भी राजीव जी के सामने आईं। पहले उन्होंने इन सबका काफी विरोध किया, लेकिन बाद में उन्हें अपनी माँ इंदिरा गांधी की बात माननी पड़ी और वो इस तरह न चाहते हुए भी देश की सियासत में आ ही गए। राजीव जून 1981 में अपने भाई संजय की मौत की वजह से खाली हुई उत्तर प्रदेश के अमेठी लोकसभा क्षेत्र से उपचुनाव लड़कर विजयी बने। फिर उन्हें नवंबर 1982 में भारत में हुए एशियाई खेलों से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम दिया। साथ ही कांग्रेस के महासचिव के तौर पर उन्होंने उसी लगन से काम करते हुए पार्टी के संगठन को अच्छे से व्यवस्थित और सक्रिय किया था। 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद मात्र चालीस वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले युवा राजीव गांधी देश के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री थे। जब 31 अक्टूबर 1984 को वे कांग्रेस अध्यक्ष और देश के प्रधानमंत्री बने थे तो उस समय देश के सामने बहुत सारी ज्वलंत विकराल समस्याएं खड़ी थीं, जैसे कि पंजाब, असम और मिजोरम अंदरूनी हिंसा में जल रहे थे। ऑपरेशन ब्लू स्टार और इंदिरा गांधी की हत्या के बाद पंजाब और दिल्ली में सिख विरोधी दंगे चल रहे थे। अवैध प्रवासियों के खिलाफ नस्लीय हिंसा से असम भी जबरदस्त ढंग से झुलस रहा था। मिजोरम में भी विद्रोह के बिगुल बज रहे थे। लेकिन उन्होंने देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री और बेहद कम अनुभवी होते हुए कभी भी इन सभी बेहद ज्वलंत समस्याओं से मुंह नहीं चुराया, उन्होंने अपनी व्यवहार कुशलता, सादगी और बिना अहंकार की भावना के गलतियां सुधारने की कोशिश से समस्याओं का धीरे-धीरे समाधान करना शुरू किया। हालांकि इस बीच उन्होंने देश में लोकसभा के चुनाव कराने का आदेश दिया और बेहद दुखी होने के बावजूद भी उन्होंने अपनी हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाया।

'तपती धरती' का जो जिम्मेदार, बचाव भी उसी से दरकार

मौसम विशेषज्ञों द्वारा ग्रीष्म ऋतू शुरू होने से पहले ही यह भविष्यवाणी कर दी गयी थी कि इस बार दुनिया के अधिकांश देश झुलसाने वाली अभूतपूर्व गर्मी का सामना कर सकते हैं। सहस्त्राब्दियों पुराने ग्लेशियर्स के लगातार पिघलते रहने के बीच जब यह खबर भी आयी थी कि पूरे विश्व को प्रकृतिक रूप से लगभग बीस प्रतिशत ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाले अमेजॉन के सैकड़ों किलोमीटर क्षेत्र के जंगलों को ब्राजील सरकार के संरक्षण में विकास के नाम पर काट दिया गया है। तभी यह अंदाजा होने लगा था कि दुनिया भविष्य में अभूतपूर्व तपिश का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। और पूरे विश्व विशेषकर भारत को भी इसबार झुलसती गर्मी का सामना करना पड़ा। देश के विभिन्न स्थानों पर 2 से लेकर 3 प्रतिशत तक सामान्य तापमान में वृद्धि दर्ज की गयी। राजधानी दिल्ली के मंगेशपुर नामक एक क्षेत्र में तो पारा 49 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। जगह जगह सूखा पड़ने की खबरें आईं।

निश्चित रूप से आम लोग ग्लोबल वार्मिंग रुपी इस त्रासदी से पूरी तरह तो हरगिज नहीं निपट सकते। क्योंकि विकास और प्रगति के नाम पर छिड़ी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा के जिम्मेदार दुनिया के शासक और सरकारें हैं। इन्हीं का काम ऐसी 'विकासवादी' योजनायें बनाना है जो प्रायः पर्यावरण विरोधी होती हैं। जिनमें हरे प्राकृतिक जंगल काटे जाते हैं और सीमेंट व कंक्रीट के 'तपते जंगलों' का विस्तार किया जाता है। परन्तु ऐसा भी नहीं है कि हम अपने,अपने घरों के आसपास का तापमान कम या स्थिर रखने के लिये अपने स्तर पर कुछ भी नहीं कर सकते। तपिश कम करने और ग्लोबल वार्मिंग से जूझने के ऐसे तमाम छोटे छोटे उपाय हैं जिनका सीधा संबंध सरकार या शासन से नहीं बल्कि आम लोगों से है। जिन्हें अपनाकर हम स्थानीय स्तर पर कम से अपने अपने घर परिवार में तो झुलसती गर्मी से राहत महसूस कर ही सकते हैं और प्रकृति प्रदत्त इस बेशकीमती जल और ऑक्सीजन युक्त धरा का सम्पूर्ण नहीं तो कुछ कर्ज तो अदा कर ही सकते हैं।

सर्वप्रथम हमें अपनी यह सोच बनानी होगी और अपने बच्चों में भी पैदा करनी होगी कि वातावरण को कम से कम गर्म होने दें। इसके लिये 'धुंआ' ,अग्नि और गर्म हवा के उत्सर्जन को जितना संभव हो सके,कम करें। प्रायः देखा गया है कि लोग अपने घरों के बाहर कूड़ा करकट खासकर प्लास्टिक पॉलीथिन आदि इकट्ठाकर उसमें आग लगा देते हैं। आज कल विशेषकर स्वछता अभियान के तहत जब घर घर से कूड़ा इकट्ठा करने का कार्य सरकारी स्तर पर किया जा रहा हो और इस व्यवस्था के बदले नकद भुगतान भी जनता ही कर रही हो ऐसे में कूड़ा व प्लास्टिक आदि जलाने का ही कोई औचित्य नहीं है। कई बार यह भी देखा गया है कि स्वयं नगर परिषद / निगम के सफाई कर्मचारी ही झाड़ू से एक जगह कूड़ा इकठ्ठा कर उसमें आग लगा देते हैं। कबाड़ का काम करने वाले तमाम लोग रबड़ आदि जलाकर जहरीला काला धुआं पैदा करते हैं। इस पर भी नियंत्रण पाना जरूरी है। स्टेशन के आस पास बैठे भिखारी तो सर्दियों के अतिरिक्त गर्मी में भी कूड़ा जलाकर प्रदूषण फैलते हैं। गाय-भैंस पालक प्रायः मच्छर भगाने की परंपरा के नाम पर पशुओं के आस पास धुआं करते हैं जिससे पशु भी परेशान होते हैं और आस पास का पूरा क्षेत्र भी प्रदूषित होता है। परन्तु न तो स्वयं इनकी समझ में आता है कि यह इसी स्वर्ग रुपी पृथ्वी को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं न ही इन्हें कोई समझने वाला है।

अपने आसपास के वातावरण को और अधिक गर्म होने से बचाने के लिये दूसरा उपाय है कम से कम विद्युत खपत की जाये । विशेषकर गर्मियों में बेतहाशा व अनावश्यक रूप से चलने वाले एयर कंडीशनर्स, वातावरण को सबसे अधिक गर्म करते हैं। बड़े मकानों में तो कई कई ए सी लगाकर अधिक से अधिक बिजली बिल चुकाने व वातावरण को गर्म करने में साझीदार बनने से बेहतर है कि अपने घरों को सेंट्रली एयर कूल्ड करने की व्यवस्था करें। इससे कम बिजली खर्च में और पर्यावरण को हानि पहुंचाये बिना हम गर्मी में अपने मकानों को ठण्डा रख सकते हैं।सभी विद्युत उपकरण जरूरी होने पर ही इस्तेमाल करें। आवश्यकता न हो तो बत्ती पंखे आदि बंद ही रखें। इन बातों को अपनी आदतों में शामिल करना होगा। इसके साथ साथ अपने घरों में अधिक से अधिक पौधे गमलों में लगायें। वृक्षारोपण को अपनी जीवनचर्या में शामिल करें। पार्कों में सड़कों के किनारे,शमशान-कब्रिस्तान,धर्मस्थलों जहाँ भी जगह हो अधिक से अधिक वृक्ष लगायें। अपने मकान या जमीन पर बड़े फलदार व छायादार वृक्ष लगायें।

धरती पर बढ़ता जल संकट भी बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग का ही परिणाम है। जहाँ हम प्रदूषण नियंत्रित कर व वृक्षारोपण आदि के माध्यम से वातावरण को वर्षानुकूल बनाने में सहायक हो सकते हैं वहीं जल की बबार्दी रोककर भी हम धरती व पर्यावरण के साथ साथ अपनी अगली नस्लों को भी अनुकूल वातावरण देने का प्रयास कर सकते हैं। यदि आप सड़कों गलियों में चलें तो अक्सर टूंटियों से पानी बहता रहता है। जहाँ पानी बहता दिखाई दे उसे तुरंत बंद करें। यदि किसी जगह टूंटी खराब है तो सरकारी कर्मचारी की प्रतीक्षा करने के बजाय पास पड़ोस के लोग स्वयं टूंटी का प्रबंध कर जल की बबार्दी को रोकें। तमाम लोग अपने घरों के सामने की सड़कों पर और अपने मकानों की फर्श आदि धोने में बेतहाशा पानी बर्बाद करते हैं। रोजाना कारें धोते हैं। यह सब अनावश्यक है। हर काम सीमा के भीतर होना चाहिये। और हर एक को यह महसूस करना चाहिये कि जिस जल को वह बहा रहा है वह स्वयं उसके,उसके बच्चों व मानव जीवन के लिये कितना अनिवार्य व उपयोगी है। आज पृथ्वी पर भीषण गर्मी व जल संकट के रूप में जो भी नजर आ रहा है जाहिर है हम ही उसके जिम्मेदार भी हैं। और इस 'तपती धरती' व जलसंकट का जो भी जिम्मेदार है बचाव के उपाय भी निश्चित तौर पर उसी से दरकार होंगे।

समान नागरिक संहिता मुस्लिम महिलाओं के लिए सम्मानजनक कानून है

समान नागरिक संहिता को लेकर देशभर में एक बार फिर से बहस जारी है। देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने की बात बार-बार उठती रही है, परन्तु इस पर विवाद होने के पश्चात यह मामला दबकर रह जाता है। किन्तु जब से उत्तर प्रदेश में भाजपा की वापसी हुई है, तब से यह मामला फिर से चर्चा में है। जहां भाजपा इसे देशभर में लागू करना चाहती है, वहीं मुस्लिम संगठन इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुस्लिम समाज में विवाह कानूनों को लेकर ब्रिटिश शासनकाल से ही विवाद होता रहा है, क्योंकि मुसलमानों में बहु पत्नी प्रथा का चलन है। शरीयत के अनुसार पुरुषों को चार विवाह करने का अधिकार है। ऐसी स्थिति में मुस्लिम समाज में महिलाओं की स्थिति कितनी दयनीय होगी, यह सर्वविदित है। पति जब चाहे पत्नी को तीन तलाक कहकर घर से निकाल देता है। ऐसी स्थिति में महिला का जीवन नारकीय बन जाता है। शाह बानो प्रकरण ने लोगों का ध्यान इस ओर खींचा था। वर्ष 1978 में शाह बानो नाम की वृद्धा को उसके पति ने तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया था। उसके पांच बच्चे थे। पीड़ित महिला के पास जीविकोपार्जन का कोई साधन नहीं था। उसके पति ने उसे गुजारा भत्ता देने से स्पष्ट इनकार कर दिया था। इस पर महिला ने न्यायालय का द्वार खटखटाया। इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचने में सात वर्ष लग गए। वर्ष 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने उसके पति को निर्देश दिया कि वह अपनी तलाकशुदा पत्नी को जीविकोपार्जन के लिए मासिक भत्ता दे। न्यायालय ने यह निर्णय अपराध दंड संहिता की धारा-125 के अंतर्गत लिया था। विदित रहे कि अपराध दंड संहिता की यह धारा सब लोगों पर लागू होती है चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या संप्रदाय से संबंध रखते हों। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से मुस्लिम महिलाओं की स्थिति बेहतर हो जाती, परन्तु कट्टरपंथियों को यह सहन नहीं हुआ और उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय का कड़ा विरोध किया। उन्होंने ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड नाम की एक संस्था का गठन किया तथा सरकार को देशभर में आन्दोलन करने की चेतावनी दे डाली। परिणामस्वरूप तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी कट्टरपंथियों के आगे झुक गए था तथा उनकी सरकार ने 1986 में संसद में कानून बनाकर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पलट दिया। इससे शाह बानो के सामने जीविकोपार्जन का संकट खड़ा हो गया। मानवता के नाते जिस समाज को वृद्धा की सहायता करनी चाहिए थी, वही उसका शत्रु बन गया। आज भी यही स्थिति है। मुस्लिम समाज में शाह बानो जैसी महिलाओं की कमी नहीं है। मुस्लिम समाज में ऐसे मामले सामने आते रहते हैं कि पति ने तीन तलाक कहकर पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया। ऐसी स्थिति में पीड़ित महिला का कोई साथ नहीं देता। मुस्लिम समाज की महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए पहले भाजपा सरकार ने तीन तलाक को रोकने का कानून बनाया और अब समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए प्रयासरत है। भाजपा ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के अपने घोषणापत्र में वादा किया था कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। वर्ष 1998 में भी भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने का वादा किया था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि भाजपा शासित राज्यों में सामान नागरिक संहिता कानून लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में चुनाव से ठीक पहले हमने समान नागरिक संहिता कानून लाने की घोषणा की थी। अब इसे विधानसभा से पारित करके कानून बना लिया जाएगा। इसी प्रकार अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी इसे लागू कर दिया जाएगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए शीघ्र ही एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा और राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द को किसी भी कीमत पर बाधित नहीं होने दिया जाएगा। वहीं उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कहना है कि इसे देश-प्रदेश में लागू किया जाना चाहिए, ऐसा करना अत्यंत आवश्यक है। उनका यह भी कहना है कि प्रदेश सरकार समान नागरिक संहिता कानून लागू करने पर विचार कर रही है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के बारे में सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं के लिए एक सम्मान का विषय है।

उल्लेखनीय है कि समान नागरिक संहिता के अंतर्गत देश में निवास करने वाले सभी लोगों के लिए एक समान कानून का प्रावधान किया गया है। धर्म के आधार पर किसी भी समुदाय को कोई विशेष लाभ प्राप्त नहीं हो सकेगा। इसके लागू होने की स्थिति में देश में निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर एक ही कानून लागू होगा, अर्थात कानून का किसी धर्म विशेष से कोई संबंध नहीं रह जाएगा। ऐसी स्थिति में अलग-अलग धर्मों के पर्सनल लॉ समाप्त हो जाएंगे। वर्तमान में देश में कई निजी कानून लागू हैं, उदाहरण के लिए मुस्लिम पर्सनल लॉ, इसाई पर्सनल लॉ एवं पारसी पर्सनल लॉ। इसी प्रकार हिंदू सिविल लॉ के अंतर्गत हिंदू, सिख एवं जैन समुदाय के लोग आते हैं। समान नागरिक संहिता लागू होने से इनका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा तथा विवाह, तलाक एवं संपत्ति के मामले में सबके लिए एक ही कानून होगा।

इसके दूसरी ओर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने समान नागरिक संहिता को असंवैधानिक और अल्पसंख्यक विरोधी बताते हुए सरकार से इसे लागू न करने की अपील है। बोर्ड का कहना कि भारत के संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को उसके धर्म के अनुसार जीवन जीने की अनुमति दी है। इसे मौलिक अधिकारों में सम्मिलित किया गया है। निःसंदेह देश में समान नागरिक संहिता लागू होने से मुस्लिम समाज की महिलाओं का जीवन स्तर बेहतर हो जाएगा। यह कानून मुस्लिम समाज से बहुपत्नी प्रथा का उन्मूलन करने में प्रभावी सिद्ध हो सकेगा, क्योंकि इस समाज के पुरुष अपनी पत्नी के जीवित रहते दूसरा, तीसरा एवं चौथा विवाह नहीं कर पाएंगे। इतना ही नहीं, संपत्ति में भी पुत्रियों को पुत्रों के समान ही भाग मिलेगा। इसमें दो मत नहीं है कि समान नागरिक संहिता मुस्लिम महिलाओं के लिए सम्मानजनक कानून है, जो उन्हें सम्मान से जीवन जीने का अधिकार देगा।

मृदा परीक्षण का मृदा उर्वरता में महत्व

भूमि की उर्वरता किसी भी राष्ट्र के लिए बहुत महत्व रखती है किसी भी देश की सभ्यता का अंदाजा वहां के भूमि के सदुपयोग या दुरूपयोग से लगाया जा सकता है। हमारी जनसंख्या दिन पर दिन बढती है। जबकि हमारी कृषि योग्य भूमि सिकुडती जा रही है। हमारे पास ऐसा कोई साधन नहीं है। जिससे कि हम भूमि का क्षैतिज विस्तार कर सके अब यह हमारे ऊपर निर्भर करता है। कि हम इनका उपयोग किस प्रकार करे क्योंकि ये हम सभी जानते है। कि सभी वनस्पतियों तथा प्राणियों का जीवन इसी पर टिका हुआ है। आज के युग में जब कृषि भी एक व्यापार बन गया है, मृदा उर्वरता का महत्व और अधिक बढ जाता है। मूल्यवान उर्वरकों एवं जैविक खादों के संरक्षित तथा उचित उपयोग का मार्ग भी मृदा परीक्षण के ज्ञान से ही संभव है।

मृदा परीक्षण के उददेश्य एवं आवश्यकता

मृदा परीक्षण के निम्नलिखित उददेश्य है।

1. मृदा में आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करना
2. मृदा परीक्षण के आधार पर फसलों के लिए संस्तति देना।
3. मृदा परीक्षण के आधार पर क्षेत्रों का मूल्यांकन करना तथा उनका उर्वरता के आधार पर मानचित्र तैयार करना।
4. समस्या ग्रस्त भूमियों के लिये मृदा सुधारकों की सही-सही मात्रा का निर्धारण करना।

पौषक तत्वों की मात्रा का निर्धारण आदि सामान्यता निम्नलिखित तथ्यों को ज्ञात करने के लिए किया जाता है।

(1) जैविक कार्बन (2) उपलब्ध नाईट्रोजन (3) उपलब्ध फास्फोरस (4) उपलब्ध पोटाश (5) मृदा पी0एच0 (6) घुलनशील (7) विधुत चालकता (8) मृदा गठन (9) फ्री0 कार्बोनेट की मात्रा एवं मृदा सुधारको की मात्रा।

मृदा परीक्षण में मिटटी के नमूने के सही होने का विशेष महत्व होता है। इसलिए मृदा का नमूना इस ढंग से लेना चाहिए कि वे जिन खेतों से लिए जाये वे उनकी मिटटियों का वास्तविक प्रतिनिधित्व कर सकें। यह इसलिए आवश्यक है क्योंकि इन्हीं जांच के परिणामों के आधार पर उर्वरक संस्तुतियां तैयार करनी होती है। किसी क्षेत्र में भली भांति वितरित भागों से यादृचिछक ढंग से मृदा का जो नमूना लिया जाता है, उसे प्राथमिक नमूना कहते है। जब प्राथमिक नमूनों को आपस में भली भांति मिला लिया जाता है। तो उसे प्रतिनिधि या संयुक्त नमूना कहते है। नमूना लेते समय खेत के ढाल तथा मिटटी के रंग व गठन, फसल प्रबंध, फसल चक्र आदि पर सावधानी पूर्वक ध्यान देना चाहिए। यदि इनके कारण खेत में असमानता हो तो जितने क्षेत्रफल में समानता हो, संयुक्त नमूना वहीं से लेना चाहिए।

ऐसी जगह से कभी मृदा नमूना नहीं लेना चाहिए जैसे रोड के पास, कीचड के गढडे, सिंचाई की नाली और खेत की बाउंड्री के पास वाली जगह या कहीं पर सख्त परत है तो उसका नमूना अलग से लेना चाहिए और मोटाई, गहराई आदि नोट कर लेनी चाहिए।

मृदा नमूने की गहराई

मृदा नमूने की गहराई फसल के प्रकार, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला की सलाह एवं कृषि पद्धतियों (ट्रेक्टर या हल से जुताई) पर निर्भर करती है। सामान्यत- सही गहराई वह होती है जहां तक पौधों की जडों को अधिकांशत- पोषण प्राप्त होता है। जो कि फसलों के अनुसार अलग-अलग होती है। मृदा परीक्षण के लिए 0-15 सेमी0 तक गहराई से नमूने एकत्र किये जाते है। परंतु ट्रैक्टर आदि से जुताई गहरी होती है तो 0-20 सेमी तक की गहराई से नमूने लिये जाते है। अनाज, सब्जी व फूलों की खेती के लिये नमूना 15 सेमी. की गहराई से लेना चाहिए। गहरी जड वाली फसलों के लिये नमूने की गहराई एक फिट तक होती है। चारागाह घास के मैदान हेतू नमूना 10 सेमी. की गहराई पर लेना चाहिए। समस्याप्रद मृदाओं जैसे अम्लीय क्षारीय लवणीय मृदाओं में नमूना 0-15 सेमी. के अन्तर पर 1 मीटर तक लेना चाहिए। बागों में मृदा नमूने 15-15 सेमी गहरी पर्तो से अलग-अलग लेना ठीक रहता है। समस्याग्रस्त मिटटियों में ऐसे स्थानों से अलग नमूना लेना चाहिए जहां फसल की वृद्धि अन्य स्थानों से कम हो अथवा पोषक तत्वो की कमी के लक्षण विधमान है। साथ ही उस स्थान से भी अलग नमूना लेना चाहिए, जो इस समस्याग्रस्त स्थान से लगा हुआ है ऐसे सभी नमूने अलग-अलग एकत्र करने चाहिए। ऊसर भूमियों में भौतिक रूप से अलग दिखाई देने वाले सभी स्थानों से प्राथमिक नमूने लेने चाहिए और प्रत्येक प्रकार का प्रतिशत क्षेत्रफल मालूम करना चाहिए। कंकड या कडी परत के नमूने भी अलग से एकत्र करने चाहिए, ताकि मिटटी के भिन्न-भिन्न अवयवों को भली भांति जांच करके सिफारिश दी जा सके।

उपकरण एवं सामग्री

(1) बाल्टी (2) बरमा, (टयूब) (3) खुरपी (4) फावडा (5) पटरी (6) टैग टीन या मोटे कागज का टुकडा (7) कपडे या पालीथीन की थैली 13 सेमी0 म 25 सेमी0 लेबल के सामने (8) बेलन (9) छलनी (2 मिमी0)

नमूना एकत्र करने की विधि-

(1) यदि खेत समतल हो, पूरे खेत में एक ही फसल उगाई गयी हो तथा उर्वरकों की समान मात्रा डाली गयी हो तो पूरे खेत से एक ही संयुक्त नमूना लेना चाहिए।

(2) नमूना लेने से पहले यह आवश्यक है कि किन स्थानों से नमूना लेना है वहां की ऊपरी सतह से घास पात साफ कर देने चाहिए। नमूना एकत्र करने के लिए 15-20 यादृचिछक स्थानों का चयन करते है।

(3) सबसे पहले 15 सेमी0 गहरा गढडा बनाते है। फिर खुरपी या फावडे को सहायता से इसकी दीवार के साथ साथ पूरी गहराई तक की मिटटी की एक समान परत काटकर किसी साफ बाल्टी में एकत्र करते जाते है।

(4) मृदा नमूनों को छाया में (धूप में नहीं) सुखाना चाहिए, क्योंकि धूप में सुखाने से नमूने में उपसिथत पोषक तत्वों में अवांछनीय परिवर्तन हो जाता है। छाया में सूख जाने के बाद नमूनों के ढेले फोडकर, कंकड, पत्थर तथा खरपतवार पौधों की जडे आदि को निकालकर फेंक देते है।

(5) इसके बाद नमूने को खूब अच्छी तरह मिलाकर उसमें से लगभग 500 ग्रा0 मिटटी ले लेते है। नमूने को एक साफ कपडे की थैली में भरकर कागज या टिन के टुकडे पर खेत संख्या, कृषक का नाम व पता लिखकर एक थैली के अंदर तथा दूसरा थैली के मुंह पर बांध देना चाहिए। यदि संभव हो तो स्याही से थैली पर भी लिख देना चाहिए।

सावधानियां-

(1) खाद के गडढे, मेंढ तथा वृक्षो के नीचे से नमूना एकत्र नहीं करना चाहिए

(2) तैयार नमूना कभी खुला नहीं छोडना चाहिए

(3) मृदा नमूना खेत के उस स्थान से नहीं लेना चाहिए जहां पर उर्वरकों का बोरा रखा गया हो क्योंकि वहां पर उर्वरक का कुछ न कुछ भाग जरूर गिर जाता है।

(4) अगर किसी खेत की मृदा परीक्षण पहले किसी प्रयोग शाखा में हो चुका है तो उसका विवरण भी देना आवश्यक है।

(5) मृदा नमूनों को उर्वरकों के बोरो के पास नहीं रखना चाहिए।

(6) मृदा नमूनों को उर्वरकों के बोरो के ऊपर नहीं सुखाना चाहिए।

(7) नमूना जिस गहराई से लिया जाय, वह नमूने के पैकेट पर अंकित होना चाहिए।

मृदा उर्वरता में कमी के कारण-

- मृदा में लगातार खेती होने एवं पर्याप्त खाद उर्वरको का प्रयोग न किया जाना।
- मृदा में जैवांश जैविक कार्बन का लगातार घटता स्तर।
- प्रयोग किये जा रहे उर्वरकों के उपयोग क्षमता का कम होना
- मृदा क्षरण से पोषक तत्वों का धीरे-धीरे ह्रास।
- उर्वरकों का असंतुलित प्रयोग।
- देश के विभिन्न भाग में उर्वरको के प्रयोग में असमानता।
- सघन खेती का प्रचलन, जिससे एक साथ कई पोषक तत्वों की कमी होना।
- मृदा मे सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग न होना।

उर्वरता बनाये रखने के लिये सुझाव-

- उर्वरकों का प्रयोग हमेशा मृदा परीक्षण के आधार पर एवं फसल विशेष की संस्तुति के अनुसार ही करें।
- उर्वरक प्रबन्धन एक फसल में न करके पूरे फसल चक्र में अपनाएं।
- फसल चक्र में हरी खाद, फसलो के अवशेष तथा दलहनी फसलो का समावेश अवश्य करें।
- दलहनी फसलो मे जैविक उर्वरकों का प्रयोग अवश्य करें।
- फसल चक्र में फसलों का चुनाव इस प्रकार करें कि प्रथम फसल से बचे हुये पोषक तत्वों का सही उपयोग हो सके एवं मृदा से पोषक तत्वों का सही अवशोषण हो सके।
- उर्वरकों का प्रयोग हमेशा संतुलित रूप में करें जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता में वृद्धि हो सकें।
- सघन खेती मे समनिवत पोषक तत्व प्रबन्धन अपनाएं जिसमें उर्वरकों के साथ गोबर की खाद, हरी खाद, फसल अवशेषों एवं जैविक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है।
- नत्रजन उर्वरकों का प्रयोग कई बार में करें। फास्फोरस का प्रयोग रबी वाली फसलों में करें। फसल चक्र के साथ उर्वरक चक्र भी अपनाये जिससे सही उर्वरक उपयोग क्षमता आ सकें।

फसलों को कब और कितना पिलाएँ पानी?

शीतकाल में रबी की फसलें उगाई जाती हैं। इन दिनों खेतों में मुख्य रूप से गेहूँ, चना, अलसी, सरसों, मसूर, मटर व खरीफ में बोई गई मध्य से लंबी अवधि वाली तुवर की फसलें खड़ी हैं।

कितना चाहिए पानी - रबी फसलों में सिंचित गेहूँ को 4 0 से 50 सेमी, असिंचित गेहूँ में 35 से 45 सेमी, चना, जौ, सरसों, मटर, मसूर आदि को 15 से 25 सेमी, अरहर को 20 से 25 सेमी पानी की जरूरत होती है। आलू, शकरकंद, शलजम, मूली, गाजर, चुकंदर को इससे दो से ढाई गुना तथा गन्ना को चार से पाँच गुना, बरसीम (चारा फसल) को छः से आठ गुना तक पानी चाहिए। हर फसल के जीवनकाल में कुछ समय ऐसा रहता है कि यदि उस समय पानी की कमी हो जाए तो उसे नुकसान अधिक होता है।

कब होती है पानी की जरूरत - गेहूँ में ये अवस्थाएँ शीर्ष जड़ें निकलते समय, पौधों में कल्ले निकलते समय, तने में गठान बनते समय, बालियाँ निकलते समय, दानों में दूध भरते समय और दानों में गूँथे हुए आटे के समान भराव होते समय मानी गई हैं। ये सभी अवस्थाएँ अधिक उपज देने वाली गेहूँ की प्रजातियों में 20 से 22 दिन के अंतर पर आती हैं।

कब करें सिंचाई - किसान भाई चना, मटर (देशी) और मसूर में सिंचाई फूल आने के तत्काल पहले व फली में दाने भरते समय करें। सरसों में पहली सिंचाई पौधों में शाखाएँ बनते समय और दूसरी फूल आते वक्त करें। गन्नों में सिंचाई कल्ले फूटते समय, कल्लों की बढ़वार के समय और तने में शकर बनते समय करते रहें।

मूली की खेती कर लाभ कमाएँ

भोजन की बात हो और सब्जियों व सलाद की बात न हो यह तो हो ही नहीं सकता। सलाद का नाम लेते ही हमें याद आती है मूली। सलाद में एक प्रमुख स्थान रखने वाली मूली स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत लाभकारी, गुणकारी महत्व रखती है। साधारणतः इसे हर जगह आसानी से लगाया जा सकता है।

मूली की भरपूर पैदावार के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली हल्की दुमट मिट्टी उत्तम होती है। मूली की फसल किसान भाई अल्प समय में प्राप्त कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अतः कृषक भाइयों, जिनके घरों में कुओं, ट्यूबवेलों तथा खाली पड़ी खेती की जमीन उपलब्ध है तथा आवश्यकतानुसार भूमि में नमी बनाए रखने के लिए पानी की व्यवस्था है, वे अपने यहाँ मूली की खेती कर कम समय में लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

हर मौसम में उगा सकते हैं - आज के समय में यह कहना कि मूली सिर्फ इसी मौसम में लगाई जाती है या लगाई जाना चाहिए, उचित नहीं होगा, क्योंकि मूली हमें हर मौसम व समय में उपलब्ध हो जाती है। अतः कृषक भाई चाहें तो निर्धारित समय अंतराल के साथ ही कभी भी मूली की खेती कर सकते हैं। सामान्यतः मैदानी क्षेत्रों के लिए बुवाई के लिए सितंबर से फरवरी तक का समय उत्तम होता है। 5-6 जुताई कर खेत को तैयार किया जाए। मूली की एक हैक्टेयर खेती के लिए 5-10 किग्रा बीज पर्याप्त होता है। मूली की बुवाई खेत की मेढ़ों पर की जाती है। यहाँ मेढ़ों के बीच की दूरी 45 सेमी तथा ऊँचाई 22-25 सेमी रखी जाती है। किसान भाई यह अवश्य ध्यान रखें कि मूली के बीजों का बीजोपचार अवश्य हो। इसके लिए थीरम 2.5 ग्राम प्रति किग्रा बीज के हिसाब से उपयोग कर सकते हैं।

उन्नत किस्म का चयन करें

अन्य फसलों व सब्जियों की ही तरह मूली की भरपूर पैदावार के लिए आवश्यक होता है कि कृषक भाई उन्नत जाति का चयन करें। मूली की उन्नत किस्मों में प्रमुख हैं- पूसा हिमानी, पूसा चेतवी, पूसा रेशमी, हिसार मूली नं. 1, पंजाब सफेद, रैपिड रेड, व्हाइट टिप आदि। पूसा चेतवी जहाँ मध्यम आकार की सफेद चिकनी मुलायम जड़ वाली है, वहीं यह अत्यधिक तापमान वाले समय के लिए भी अधिक उपयुक्त पाई गई है। इसी तरह पूसा रेशमी भी अधिक उपयुक्त है तथा अगेती किस्म के रूप में विशेष महत्वपूर्ण है। इसी तरह अन्य किस्में भी अपना विशेष महत्व रखती हैं तथा हर जगह, हर समय लगाई जा सकती हैं।

गोबर की खाद उपयुक्त

कृषक भाइयों को सलाह दी जाएगी कि वे अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करवा लें। परीक्षण उपरांत ही वे अपने खेत में दी जाने वाली उर्वरकों व खाद की मात्रा निर्धारित करें। मूली की पैदावार के लिए गोबर-कचरे की कम्पोस्ट खाद का भरपूर उपयोग करें। साथ ही साधारणतः इसमें 75 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फास्फोरस तथा 40 किग्रा पोटाश देना चाहिए। गोबर व गोबर कचरे से बनी कम्पोस्ट खाद खेत की तैयारी के समय ही डाल देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा तथा पोटाश व फास्फोरस की पूरी मात्रा अंतिम जुताई में दे देना चाहिए तो लाभकारी होता है। मूली की बुवाई के पश्चात यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि मेढ़ों पर खरपतवारों की बढ़त न हो। खरपतवार के लिए समय-समय पर निंदाई-गुड़ाई करते रहना चाहिए। साथ ही मेढ़ों पर मिट्टी भी चढ़ाते रहना चाहिए।

नमी का ध्यान रखें

मूली की जड़ों की अच्छी बढ़त के लिए आवश्यक है कि हम नमी का पर्याप्त ध्यान रखें। इसके लिए आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई की व्यवस्था करना चाहिए। मूली की फसल खुदाई के लिए 25 से 70 दिन में तैयार हो जाती है। विभिन्न किस्मों के पकने का समय प्रायः अलग-अलग होता है। अतः कृषक भाई खुदाई का अवश्य ध्यान रखें, क्योंकि खुदाई में थोड़ा भी विलंब जड़ों को खराब कर देता है, जो खाने योग्य नहीं रह पातीं। अतः कृषक भाई स्वास्थ्य के लिए लाभकारी सब्जियों में अपना विशेष महत्व रखने वाली सलाद का एक प्रमुख अंग मूली की खेती कर विपुल लाभ कमाएँ तथा अपनी आमदनी बढ़ाएँ।

कम दर्द के साथ नॉर्मल डिलीवरी का विकल्प

एपिड्यूरल एनेस्थीसिया

- लो प्लेटलेट काउंट और ब्लड थिनर की समस्या पर भी इस्तेमाल है मुश्किल
- अगर ब्लड इंफेक्शन और स्कीन इंफेक्शन पहले से हो तो एपिड्यूरल एनेस्थीसिया का नहीं हो सकता है इस्तेमाल
- डायबिटिज के मरीजों और उम्रदराज मांओं के लिए भी बेहतर विकल्प एपिड्यूरल एनेस्थीसिया
- एपिड्यूरल एनेस्थीसिया के इस्तेमाल के फायदे और नुकसान दोनों होते हैं, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि दर्द रहित डिलीवरी करना अच्छा है या बुरा। एपिड्यूरल के कुछ साइड इफेक्ट हो सकते हैं जो बाद में दिखाई देते हैं

नई दिल्ली (एसएनबी)। मां बनना जीवन का बेहद सुखद एहसास होता है शायद इसलिए लोग मां बनने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। किसी भी महिला के लिए मां बनने का सफर खुशियों भरा होता है। गर्भवती महिला आपने पूरे गर्भकाल को खुशी खुशी बिता देती है लेकिन जब डिलीवरी के करीब आता है तो सभी मांओं को डिलीवरी के दौरान होने वाले गंभीर दर्द का डर सताने लगता है और उनकी रातों की नींद उड़ जाती हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार हर गर्भवती महिला में डिलीवरी के दर्द की तीव्रता भिन्न होती है। कुछ को बहुत कम दर्द का सामना करना पड़ता है, जबकि अन्य को गंभीर ऐंठन और दर्द का अनुभव हो सकता है। आधुनिक चिकित्सा और तकनीक के आने से, माताओं के लिए प्रसव पीड़ा से काफी हद तक राहत पाना अब संभव हो गया है, साथ ही यह सी सेक्शन से भी राहत प्रदान करता है। दर्द रहित प्रसव की इस तकनीक को पेनलेस डिलीवरी (एपिड्यूरल एनेस्थीसिया) के नाम से जाना जाता है। आजकल कई महिलाएं इस तरीके से डिलीवरी का विकल्प अपना रही हैं।

क्या है एपिड्यूरल एनेस्थीसिया

एपिड्यूरल एनेस्थीसिया के दौरान, पीठ के निचले हिस्से में एक इंजेक्शन लगाया जाता है, जिसके माध्यम से एक ट्यूब जैसी सुई पास की जाती है। इस ट्यूब के माध्यम से दर्द निवारक दवाएं दी जाती हैं, जिससे नसों में दर्द और दर्द का अहसास खत्म होता है। इस प्रक्रिया के साथ, मां बिना किसी ऐंठन या दर्द के संकुचन महसूस कर सकती है। एनेस्थेसियोलाजिस्ट और नर्स यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रसूति के साथ आगे बढ़ने से पहले एपिड्यूरल इंजेक्शन बिना किसी जिटलता के मां को दिया जाता है। एपिड्यूरल, एक ट्यूब जैसा उपकरण है जिसे पीठ में लगाया जाता है। यह दवा दर्द के संकेतों को मस्तिष्क तक पहुंचने से रोक देता है जिससे महिला को पेट के नीचे ज्यादा कुछ महसूस नहीं होता है और वो होश में रहते हुए भी पुश कर पाती है।

एपिड्यूरल एनेस्थीसिया देना इस बात पर निर्भर करता है महिला के सर्विक्स के खुलने के ऊपर प्रसव पीडा के दौरान जब गर्भाशय चार से पांच सेटीमीटर तक खुल जाता है तब एपिड्यूरल दिया जाता है। इसके अलावा मां की अवस्था पर भी निर्भर करता है, उसे डोज कब दिया जाए। डिलीवरी के दौरान अक्सर सिजेरियन करने की नौबत आ जाती है तो एपिड्यूरल के जरिए अन्य डोज बढ़ाकर इस प्रक्रिया में आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

डाक्टर की सलाह

यर्थाथ हास्पिटल की प्रसूति एंव स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. रोली शर्मा ने बताया कि अगर आप एपिड्यूरल एनेस्थीसिया के विकल्प के बारे असमजस की स्थिति है और कुछ तय नहीं कर पा रही है तो आपको अपने चिकित्सक और एनेस्थिसियन से सलाह जरूर लें। डाक्टर ही आपको इस प्रक्रिया के बारे में ठीक से जानकारी दे सकते हैं, क्योंकि हर महिला की स्वास्थ्य की स्थिति अलग होती है और क्या यह विकल्प आपके लिए कितना सही और सुरक्षित रहेगा। इस प्रक्रिया के लिए हमेशा किसी एक्सपर्ट डाक्टर से ही संपर्क करें।

साइड इफेक्ट

- एपिड्यूरल एनेस्थीसिया में उपयोग की जाने वाली कुछ दवाओं जैसे से खुजली हो सकती है।
- ओपियोइड दर्द निवारक से कभी-कभी पेट खराब हो सकता है और आपको मतली या उल्टी हो सकती हैं।
- एपिड्यूरल एनेस्थीसिया का इस्तेमाल करने वाली लगभग 14 फीसदी महिलाओं को लो ब्लड प्रेशर हो सकता है। हालांकि, यह आमतौर पर हानिकारक नहीं होता है।
- एक एपिड्यूरल ब्लाक रक्त वाहिकाओं के अंदर मांसपेशियों के संकुचन को नियंत्रित करने वाली नसों के फाइबर को प्रभावित करता है। इससे रक्त वाहिकाओं को आराम मिलता है और रक्तचाप में गिरावट आती है। यदि रक्तचाप बहुत कम हो जाता है, तो यह आपके बच्चे को रक्त के प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। इस जोखिम को कम करने के लिए, अधिकांश महिलाओं को एपिड्यूरल रखने से पहले इंट्रावेनस तरल पदार्थ दिए जाते हैं।
- एपिड्यूरल के बाद, जो नसें आपको यह महसूस करने में मदद करती हैं कि आपका मूत्राशय भरा हुआ है, वह सुन्न हो जाती है। इसके विकल्प के रूप में कैथेटर का विकल्प चुना जाता है।
- एपिड्यूरल के लिए उपयोग की जाने वाली सुई किसी नस में जा सकती है, जिससे आपके निचले शरीर में अस्थायी या स्थायी नुकसान हो सकता है। रीढ़ की हड्डी के क्षेत्र के आसपास रक्तस्राव और एपिड्यूरल में गलत दवा का उपयोग करने से तंत्रिका क्षति भी हो सकती है।
- एपिड्यूरल के बाद लो बीपी, सिरदर्द आम है। कई बार कैथटर हटाने के बाद 1-2 घंटे में एनेस्थीसिया का असर खत्म हो जाता है। इसके बाद थोडी सी जलन बर्थ कैनल पर महसूस हो सकती है। कई बार डिलीवरी के दौरान बीपी हाई हो जाता है।

अदिति पोहनकर शी के दूसरे सीजन के लिए तैयार

मुंबई (आईएएनएस)। इम्तियाज अली की सीरीज 'शी' का दूसरा सीजन 17 जून से वापसी के लिए तैयार है। वेब सीरीज की हेडलाइनिंग करते हुए, अदिति पोहनकर सीजन 2 के बारे में जानकारी देती हैं और बताती हैं कि वह इस किरदार से कैसे जुड़ी हैं। हम 'शो' को वापस लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। यह एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट रहा है, जिसे हमने लगभग दो साल से अपने दिल के करीब रखा है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने 'शी सीजन 2' का फर्स्ट लुक जारी किया। नायक भूमिका के चरित्र में विरोधाभासों को दर्शाती है। अदिति कहती हैं-व्यक्तिगत रूप से, मैं उन पात्रों से बहुत अधिक संबंधित हूं जो अपनी कमजोरियों से निपट रहे हैं। इसे ऑनस्क्रीन व्यक्त करने में सक्षम होना अद्भुत है।

फिल्म रॉकेटरी : द नांबी इफेक्ट का हुआ प्रीमियर

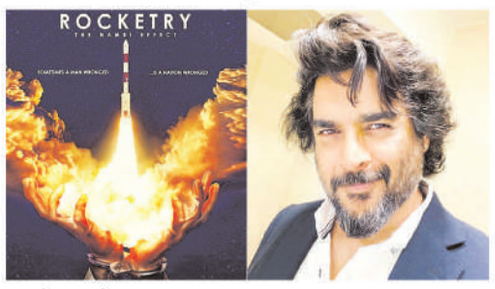

मुंबई (आईएएनएस)। आर. माधवन के निर्देशन में बनी पहली फिल्म रॉकेटरी : द नांबी इफेक्ट का भव्य प्रीमियर पालिस डेस फेस्टिवल्स के कन्वेंशन सेंटर में हुआ। माधवन और इसरो के प्रतिभाशाली और अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायणन ने रेड कार्पेट पर शानदार एंट्री की। फिल्म वैज्ञानिक नंबी नारायणन पर आधारित है। फिल्म की स्क्रीनिंग का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया गया, इतना ही नहीं इसे पूरे 10 मिनट के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिला। फिल्म समारोह में अपनी फिल्म को मिली सराहना पर प्रतिक्रिया देते हुए, अभिनेता से निर्देशक बने माधवन ने एक बयान में कहा कि मैं अभिभूत और उत्साहित हूं। यह टीम 'रॉकेटरी' में हम सभी के लिए एक गर्व का क्षण है। इसके लिए मैं विनम्र और आभारी हूं। आप सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। फिल्म 1 जुलाई को रिलीज के लिए तैयार है।

'बघीरा' पर काम शुरू किया

मुंबई (भाषा)। यश अभिनीत 'केजीएफ' श्रृंखला की फिल्मों के निर्माता 'होम्बले फिल्म्स' ने शुक्रवार को अपनी अगली कन्नड़ एक्शन फिल्म 'बघीरा' की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की। 'बघीरा' की पटकथा 'केजीएफ' के निर्देशक प्रशांत नील ने लिखी है और इसके निर्देशन का जिम्मा डा. सूरी संभाल रहे हैं। 'बघीरा' में फिल्म 'उग्राम' से लोकप्रियता हासिल करने वाले श्री मुरली मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। निर्माताओं ने क्लैप बोर्ड की एक तस्वीर के साथ अपने आधिकारिक ट्विटर पेज पर फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की। ट्वीट में लिखा था, 'बघीरा का मुहूर्त।' फिल्म के ज्यादातर हिस्से कर्नाटक और हैदराबाद में फिल्माए जाएंगे। निर्माताओं ने दिसंबर 2020 में मुरली के जन्मदिन के अवसर पर 'बघीरा' के पोस्टर से पर्दा उठाया था। यह फिल्म सिनेमाघरों में अगले साल दस्तक देगी।

ऐश्वर्या को लेकर कार्तिक ने दिया बयान

मुंबई (आईएएनएस)। फिल्म 'भूल भुलैया 2' के लिए चर्चा में रहने वाले एक्टर कार्तिक आर्यन ने हाल ही में अमेरिकी गायकगीतकार एरियाना ग्रांडे की तुलना अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन से कर दी है। फिल्म 'भूल भुलैया 2' के प्रचार के दौरान यूट्यूबर और हास्य कलाकार तन्मय भट के साथ जब कार्तिक आर्यन बात कर रहे थे, तो बातों बातों में एक्टर को ऐश्वर्या राय की एक तस्वीर दिखाई गई। तस्वीर को देखकर तन्मय ने कहा, ओह ठीक है, ऐश्वर्या एरियाना ग्रांडे की तरह दिखती है, जिस पर कार्तिक ने जवाब दिया, बल्कि, एरियाना ग्रांडे ऐश्वर्या राय की तरह दिखती है।

सोशल मीडिया पर इसी बातचीत का एक वीडियो वायरल हो गया है। इसके बाद फैंस और यूजर्स इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, लोगों ने वीडियो के कमेंट सेक्शन में जाकर कार्तिक की विचारधारा का समर्थन किया। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, बिल्कुल हां और हालांकि मैं एरियाना को पसंद करती हूं, लेकिन उनकी तुलना देवी ऐश्वर्या राय बच्चन से नहीं की जा सकती। एक अन्य यूजर ने इंटरव्यू की क्लिप शेयर करते हुए कहा, कार्तिक ने कहा कि ऐश्वर्या एरियाना की तरह नहीं दिख रही हैं बल्कि एरियाना ऐश्वर्या की तरह दिख रही हैं।

संग्राम और पायल जल्द करेंगे शादी

मुंबई (आईएएनएस)। टेलीविजन अभिनेत्री पायल रोहतगी और पूर्व पहलवान संग्राम सिंह जुलाई के महीने में शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। संग्राम सिंह जिन्होंने जुलाई में रियलिटी शो 'लाक अप' में पायल को शादी के बंधन में बंधने का वादा किया था। उस वादे को निभाते हुए संग्राम पायल से शादी कर रहे हैं। दोनों ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम हैंडल पर फोटो शेयर करके अपनी शादी की जानकारी फैंस के साथ साझा की है। इस पोस्ट के कैप्शन नें संग्राम ने लिखा है, इस जुलाई में आ रहा हूं। जहां हमें प्रतिज्ञा कहने को मिलती है और शादी के बंधन में हम बंध जाएंगे।

आपको बता दे, ये दोनो सेलेब्स शो 'सर्वाइवर इंडिया 1' के दरौन मिले थे, इसके बाद 2012 में दोनों एक दूसरे के प्यार में पड़ गए। इसके अलावा दोनों 'नच बलिए सीजन 7' जैसे रियलिटी शो में भी साथ नजर आए थे। कंगना रनौत का रियलिटी शो 'लाक अप' में पायल ने इस राज का खुलासा किया है कि वह बच्चा नहीं कर पाएगी। पायल ने यहां तक कहा कि उन्होंने संग्राम को किसी और लड़की की तलाश करने के लिए कहा है लेकिन उसने मना कर दिया हालांकि अभी शादी की तारीखों को खुलासा नहीं हुआ है। संग्राम ने मीडिया से कहा है कि शुरूआत में उन्होंने 21 जुलाई के बारे में सोचा लेकिन अभी कुछ भी निश्चित नहीं है, पर ये पक्का है कि शादी जुलाई में होगी। सोशल मीडिया पर शेयर खूबसूरत तस्वीर के लिए संग्राम ने एक्टर करणबीर बोहरा का धन्यवाद दिया है, क्योंकि कपल सामान्य प्रीवेडिंग शूट करने के इच्छुक नहीं हैं।

कान फिल्म महोत्सव में दिखाई गई सत्यजीत रे की फिल्म 'प्रतिद्वंद्वी'

कान (भाषा)। सत्यजीत रे द्वारा 1970 में बनाई गई फिल्म 'प्रतिद्वंद्वी' को 75वें कान फिल्म महोत्सव में दिखाया गया। इस फिल्म में धृतिमान चटर्जी ने तेजी से बदलते शहर में भटकते एक बेरोजगार युवा की भूमिका निभाई थी। कान फिल्म महोत्सव की 'क्लासिक्स' श्रेणी में 'प्रतिद्वंद्वी' का 'रिस्टोर्ड' (पुनरुद्धार किया हुआ) प्रिंट प्रदर्शित किया गया, जिसे फिल्म के मूल प्रिंट में सुधार करके बनाया गया था। 'प्रतिद्वंद्वी' के प्रदर्शन के दौरान न तो फिल्म की निर्माता पूर्णिमा दत्ता मौजूद थी और न ही पुनरुद्धार परियोजना के प्रमुख सुदीप चटर्जी। मुंबई के सिनेमाटोग्राफर चटर्जी ने फोन पर कहा, यह मेरे लिए बेहद उत्साहित करने वाला काम था। पुनरुद्धार परियोजना का हिस्सा होना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के राष्ट्रीय फिल्म धरोहर मिशन के तत्वावधान में 'प्रतिद्वंद्वी' और रे की अन्य फिल्मों के पुनरुद्धार का काम किया गया है। चटर्जी ने कहा, यह दो महीने का काम था, लेकिन मैं इसमें 12-15 दिन पूर्णकालिक तौर पर शामिल रहा। 'प्रतिद्वंद्वी'' रे की एक अनोखी फिल्म है। इसमें 50 साल पुराने कोलकाता की झलक मिलती है। अमेरिकन एकेडमी आफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने फिल्म के पुनरुद्धार के लिए बार-बार प्रिंट मांगा था, लेकिन निर्माता पूर्णिमा दत्ता ने इनकार कर दिया था।

मुंबई (वार्ता)। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने अपनी आने वाली पृथ्वीराज के लिए घुड़सवारी, तीरंदाजी और तलवारबाजी सीखी है। मानुषी छिल्लर फिल्म पृथ्वीराज से बालीवुड में डेब्यू कर रही है। यह फिल्म पृथ्वीराज चौहान के जीवन और उनके पराक्रम पर आधारित है। अक्षय फिल्म में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं मानुषी फिल्म में पृथ्वीराज की प्रेमिका राजकुमारी संयोगिता की भूमिका निभा रही हैं।

मानुषी छिल्लर ने बताया, पृथ्वीराज की तैयारियों के दौरान उनका लंबा और बेहद व्यस्त प्रिपरेशन शेड्यूल रहा। इस दौरान उन्होंने अपनी क्लासिकल डांसिंग स्किल्स को निखारने के साथ ही घुड़सवारी, तीरंदाजी और तलवारबाजी भी सीखी है। उन्होंने कहा, मेरा प्रिपरेशन शेड्यूल लंबा और इंटेंस रहा। आदि सर और मेरे निर्देशक डा. चंद्रप्रकाश जी चाहते थे कि अपना पहला शाट भी देने से पहले मैं उसकी तैयारी करूं और जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मैं इस बात की शुक्रगुजार हूं कि मैंने कड़ी मेहनत की। मैं एक प्रशिक्षित क्लासिकल डांसर हूं और इस फिल्म ने मुझे अपनी डांसिंग स्किल्स को निखारने में मदद की, क्योंकि फिल्म में मेरे ऊपर तीन गाने हैं। डाक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में बनी फिल्म पृथ्वीराज 3 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विशेष प्रशिक्षित कुत्ते सूंघकर बताएंगे कोविड है या नहीं

मेलबर्न (द कन्वरसेशन)। कुत्तों में गंध को पहचानने की असाधारण क्षमता होती है। हम इस क्षमता का कई तरह से लाभ उठाते हैं, जिसमें उन्हें अवैध ड्रग्स, खतरनाक सामान और यहां तक कि लोगों को खोजने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। हाल के वर्षों में, चिकित्सा क्षेत्र में भी कुत्तों की घ्राण क्षमता का उपयोग किया गया है। इन अद्भुत जानवरों को कैंसर, मधुमेह, और असाधारण रूप से, मिर्गी के दौरे को होने से पहले सूंघकर उसका पता लगा लेने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। महामारी की शुरुआत में कुछ देशों में कोविड का पता लगाने के लिए कुत्तों के इस्तेमाल की संभावना का पता लगाया गया था। और यद्यपि इन प्रारंभिक परीक्षणों के परिणाम अधिकांश लोगों की अपेक्षाओं से परे निकले, फिर भी कई प्रश्न बने रहे। इनमें यह भी शामिल था कि ये निष्कर्ष अधिक कठोर वैज्ञानिक जांच के सामने कितनी मजबूती से खड़े रहेंगे और अनुसंधान प्रयोगशाला के कृत्रिम वातावरण के बाहर कुत्ते कितना अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पिछले सप्ताह हम इन सवालों के जवाब देने के करीब पहुंच गए, बीएमजे ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित एक लेख के साथ, जिसमें पाया गया कि कुत्ते कुछ परिस्थितियों में लगभग पीसीआर परीक्षणों की तरह ही कोविड का भी पता लगा सकते हैं।

शोधकर्ताओं ने क्या परीक्षण किया?

इस लेख में दो अध्ययनों के परिणामों का उल्लेख है। दोनों अध्ययनों में, चार कुत्तों का परीक्षण यह देखने के लिए किया गया था कि उन्होंने कोविड से संक्रमित या बिना कोविड संक्रमण वाले लोगों से लिए गए त्वचा के स्वाब से कोविड का कितनी अच्छी तरह से पता लगाया। ये कुत्ते कोई मामूली कुत्ते नहीं थे, ड्रग्स, खतरनाक सामान या कैंसर को सूंघने के लिए उन्हें पर्याप्त प्रशिक्षण हासिल था।

पहला अध्ययन

पहले अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने देखा कि क्या कुत्ते 420 स्वयंसेवकों के त्वचा के स्वाब में कोविड की पहचान कर सकते हैं, जिनमें से 114 को पीसीआर द्वारा कोविड पॉजिटिव पाया गया था। अध्ययन बहुत कठिन था। बहुत से एहतियात से समझौता करना पड़ा। इसमें एक विस्तृत अध्ययन प्रोटोकॉल शामिल था जिसमें कई अलग-अलग सहायकों के अलावा एक कुत्ता हैंडलर को साथ लिया गया। उनमें से कोई भी नहीं जानता था कि लिया गया नमूना किसी कोविड संक्रमित व्यक्ति का था, ताकि वह जानबूझकर या अनजाने में परिणाम को प्रभावित नहीं कर सकें। कुत्तों ने 92% की संवेदनशीलता के साथ कोविड का पता लगाया (जो कि संक्रमण वाले लोगों की सही पहचान करने की उनकी क्षमता को संदर्भित करता है) और 91% की विशिष्टता (बिना संक्रमण वाले लोगों की सही पहचान करने की उनकी क्षमता)। हालांकि कुत्तों के बीच कुछ भिन्नता थी, लेकिन उन सभी ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। यहां कोई महत्वपूर्ण अस्वीकरण नहीं है, यह एक अच्छा परिणाम था।

दूसरा अध्ययन

दूसरा अध्ययन महत्वपूर्ण था क्योंकि इसका लक्ष्य यह देखना था कि वास्तविक दुनिया की भीड़भाड़ में कुत्ते कितना अच्छा कर सकते हैं। इस वास्तविक जीवन के परीक्षण में फिनलैंड के हेलसिंकी-वांता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 303 आने वाले यात्रियों को कुत्ते सूंघ रहे थे। हर यात्री का पीसीआर टेस्ट भी हुआ। कुत्तों ने 303 (98%) नमूनों में से 296 में पीसीआर परिणामों का मिलान किया और उन्होंने 300 (99%) नमूनों में से 296 में स्वाब की सही पहचान की। इस परिणाम की व्याख्या करने में महत्वपूर्ण विचार यह है कि यह हवाईअड्डा स्क्रीनिंग के दौरान हुआ, एक ऐसी स्थिति जहां आप उम्मीद नहीं करेंगे कि बहुत से लोग पॉजिटिव हो सकते हैं। इस प्रकार के कम प्रसार वाले वातावरण में, आप चाहते हैं कि कुत्ते बिना कोविड संक्रमण वाले यात्रियों की पहचान करने में सक्षम हों। आप चाहते हैं कि कुत्ते उन लोगों की पहचान करने में सक्षम हों जिनमें वायरस नहीं है ताकि उन्हें उन लोगों से अलग किया जा सके जिनमें वायरस हो सकता है। फिर आप उस अंतिम समूह पर पुष्टिकारक पीसीआर परीक्षण करेंगे। ऐसे वातावरण में जहां कोविड का प्रसार लगभग 1% है, जैसे कि एक हवाई अड्डा, शोधकर्ताओं ने कोविड के लिए कुत्तों की स्क्रीनिंग में नेगेटिव परिणाम 99.9% होने का अनुमान लगाया। यानी, कुत्तों की वजह से 99.9% यात्रियों में कोविड का संक्रमण नहीं होने का अनुमान लगाया जा सकेगा। यह एक और शानदार परिणाम है।

कम तकनीक और तत्काल

ऐसी दुनिया में जहां हम महंगे तकनीकी समाधानों पर भरोसा करते हैं, वहां कोविड की जांच के लिए कम तकनीक वाला विकल्प खोजना कुछ राहत देने वाला है। महत्वपूर्ण रूप से, हालांकि, अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कुत्तों को इस कार्य के लिए जल्द प्रशिक्षित किया जा सकता है और वह हवाई अड्डे जैसी अधिक आवाजाही वाली जगह पर स्क्रीनिंग के लिए आदर्श है और वे तत्काल परिणाम भी देते हैं।

इंडोनेशिया ने पाम ऑयल के निर्यात से प्रतिबंध हटाया, खाद्य तेलों के भाव घटने की संभावना

खाद्य तेल की महंगाई से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। खाद्य तेलों की महंगाई से आम जनता को राहत मिल सकती है, क्योंकि पाम ऑयल के सबसे बड़े निर्यातक इंडोनेशिया ने पाम ऑयल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया है।

इससे पर्याप्त आपूर्ति के चलते खाद्य तेल के दाम निकट भविष्य में घट सकते हैं। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर पाम ऑयल इंडोनेशिया से ही आयात करता है। इंडोनेशिया के फैसले से देश में पाम ऑयल की कीमत में गिरावट आने की उम्मीद है। पाम ऑयल का सबसे ज्यादा इस्तेमाल खाना बनाने में होता है। दूसरे तेलों के साथ इसकी ब्लेंडिंग भी की जाती है। डोनेशिया ने 23 मई से पाम ऑयल के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने कहा कि पाम ऑयल सेक्टर में काम करने वाले 1.7 करोड़ लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। इंडोनेशिया ने 28 अप्रैल से इंडोनेशिया ने पाम तेल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया था। इसकी वजह यह थी कि इंडोनेशिया में ही पाम ऑयल की कीमत आसमान पर पहुंच गई थी। वहां अब भी इसकी कीमत 17300 रुपए, 91.46 भारतीय रुपया लीटर चल रही है। एक समय यह 22000 रुपए के ऊपर चली गई थी। इंडोनेशिया के पाम ऑयल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाने से भारत में इसकी कीमत में उछाल देखने को मिला। इसलिए इंडोनेशिया के बैन हटाने के फैसले से भारत को सबसे ज्यादा राहत मिलेगी। इससे देश में खाने के तेल की कीमत में कमी आने की उम्मीद है। रूस-यूक्रेन युद्ध कारण सनफ्लावर ऑयल का आयात प्रभावित हुआ है। साथ ही सूखे के कारण लेटिन अमेरिका में सोयाबीन का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। इसके बाद इंडोनेशिया ने पाम ऑयल पर बैन लगाकर भारत की मुसीबत को बढ़ा दिया था।

साबुन, शैम्पू व टूथपेस्ट भी हो सकते हैं सस्ते

पाम ऑयल का सबसे ज्यादा इस्तेमाल को खाने के तेल की तरह ही होता है। इसके अलावा इसे खाने के कई तेलों में मिलाया भी जाता है, जैसे सरसों के तेल में कुछ कंपनियां इसे मिलाती हैं। पाम ऑयल का इस्तेमाल शैम्पू, नहाने के साबुन, टूथपेस्ट, विटामिन की गोलियां, मेकअप आइटम, चॉकलेट आदि में भी होता है। यानी एफएमसीजी प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियां पाम ऑयल की एक बड़ी ग्राहक हैं। इन कंपनियों ने हाल में अपने प्रॉडक्ट्स की कीमत में भारी बढ़ोतरी की है। साथ ही लोकप्रिय पैकेज में मात्रा भी घटा दी है। अब उम्मीद की जा रही है कि इंडोनेशिया में पाम ऑयल पर प्रतिबंध हटने से देश में इन चीजों की कीमत में गिरावट आएगी। जानकारों के मुताबिक गर्मियों में एडिबल ऑयल की कीमत में गिरावट आती है क्योंकि इस दौरान तली हुई चीजों की खपत कम हो जाती है। इंडोनेशिया की बैन हटाने की घोषणा के बाद सोयाबीन ऑयल में 1.6 फीसदी गिरावट आई है।

इंडोनेशिया से 70 फीसदी पाम ऑयल का निर्यात

देश में करीब 70 फीसदी पाम ऑयल इंडोनेशिया से आता है जबकि बाकी 30 फीसदी मलेशिया से आता है। भारत हर वर्ष करीब 13 से 13.50 मिलियन टन खाने के तेल का आयात करता है। इसमें 63 फीसदी यानी आठ से 8.50 मिलियन टन हिस्सेदारी पाम ऑयल की है। महंगे कीमत के कारण 2021-22 में खाने के तेल का आयात 1.5 मिलियन टन से घटकर 1.3 मिलियन टन रह गया। लेकिन कीमतों में उछाल से देश को खाने के तेल के आयात पर 1.4 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़े है। इससे पिछले साल भारत का एडिबल ऑयल इंपोर्ट बिल 82123 करोड़ रुपए का था।

पाम ऑयल की दुनिया में सबसे ज्यादा खपत

पाम ऑयल दुनिया में सबसे अधिक खपत होने वाला खाद्य तेल है। खाद्य तेल की कुल खपत का 40 फीसदी पाम ऑयल है। सोया तेल की खपत 32 फीसदी और सरसों तेल की जिसकी खपत 15 फीसदी है। जानकारों का कहना है कि इंडोनेशिया के फैसले से भारत को काफी राहत मिलेगी और देश में खाद्य तेल की कीमत में गिरावट आएगी। लेकिन कीमतों में कितनी गिरावट आएगी, यह पाना मुश्किल है। इसकी वजह यह है कि भारत ने इंडोनेशिया के बिना जीना सीख लिया है। अब मलेशिया और थाईलैंड से ज्यादा तेल मंगाया जा रहा है।

सेंसेक्स में 1534 अंक का उछाल

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को निवेशकों की चौतरफा लिवाली के चलते गुरुवार की भारी गिरावट से उबरता हुआ शानदार रिकवरी की। इस दौरान बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1534.16 अंक की छलांग लगाकर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 54326.39 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई का निफ्टी 456.75 अंक उछलकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 16266.15 अंक पर पहुंच गया।

विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका में बेरोजगारी दर अनुमान से कम रहने और चीन के ब्याज दर में पंद्रह आधार अंक की कटौती से वैश्विक अर्थव्यवस्था के मजबूत बने रहने की उम्मीद में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली से सेंसेक्स और निफ्टी पिछले दिवस की भारी गिरावट से उबरते हुए शुक्रवार को ढाई प्रतिशत से अधिक की तेजी पर रहे। निवेशकों की आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ने एवं आसमान छूती महंगाई की चिंताओं के बीच चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को समर्थन करने के उद्देश्य से शुक्रवार को प्रधान ऋण दर एलपीआर में 15 आधार अंक की कटौती कर दी। इससे वैश्विक बाजार में निवेशकों का उत्साह बढ़ा। इससे ब्रिटेन का एफटीएसई 1.93, जर्मनी का डैक्स 1.78, जापान का निक्केई 1.27, हांगकांग का हैंगसेंग 2.96 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.60 प्रतिशत चढ़ गया।

लखनिया दरी मोड़ के पास ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार जख्मी

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। वाराणसी शक्तिनगर रोड पर लखनिया दरी मोड़ के पास शनिवार को ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों द्वारा एम्बुलेंस बुलाकर घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौरा भेजा गया । जानकारी के अनुसार विकास पटेल पुत्र जंगीलाल पटेल उम्र 22 वर्ष एवं विनोद कुमार उम्र 45 वर्ष पुत्र कन्हैया राजभर निवासी राजातालाब वाराणसी काम करने मधुपुर सोनभद्र जा रहे थे कि लिखानिया दरी मोड़ के पास ट्रक ने जोर दार टक्कर मार दिया जिससे दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए । स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस बुला कर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां प्राथमिक उपचार के दोनों घायलों को ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया।

91वीं बटालियन लखनऊ में तैनात रैपिड एक्शन फोर्स के जवान ने जनपद में किया भ्रमण

प्रखर गाजीपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार 91वीं बटालियन लखनऊ में तैनात रैपिड एक्शन फोर्स के जवान मंगलवार से 24 मई तक जनपद भ्रमण एवं परिचीतीकरण कार्यक्रम चला रहे हैं। इसके तहत अलग-अलग थाना क्षेत्र में जाकर पुलिस के साथ क्षेत्र भ्रमण कर जनसम्पर्क कर जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को आरएएफ कमाण्डेंट अमिताभ कुमार के मार्गदर्शन एवं सहायक कमांडेंट जितेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में जनपद भ्रमण एवं परिचीतीकरण अभ्यास कार्यक्रम अंतर्गत आरएएफ जवानों ने भुड़कुड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक राजू दिवाकर, बहरियाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार, खानपुर थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्रा और वहां के पुलिस दल के साथ मिलकर थाना क्षेत्र के संवेदनशील व अति संवेदनशील इलाकों का भ्रमण व परिचितिकरण किया। इस दौरान क्षेत्र के धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक व अन्य क्षेत्रों से जुड़ी जानकारी एकत्रित किया ताकि किसी भी विपरीत परिस्थितियों में आरएएफ इन इलाकों में शीघ्र पहुंच सके ।

पश्चिम रेलवे की दो ट्रेनें प्रभावित

मुंबई। उत्तर रेलवे के बजीदा जटां स्टेशन के इलेक?ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग पैनल के प्रावधान के संबंध में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की दों ट्रेनों को रेगुलेट किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस को 21 मई 2022 को दिल्ली मंडल पर 2 घंटे रेगुलेट की जाएगी। 12926 अमृतसर-बांद्रा टर्मिनस पश्चिम एक्सप्रेस को 22 मई, 2022 को अंबाला कैंट-करनाल के बीच 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

वरुणा नदी के तीसरे रिच का जाल बांधकर किया साफ-सफाई

प्रखर वाराणसी। बरुणा स्वच्छता सृजन अभियान के तहत पर्यावरण सेवी अनिल कुमार सिहं ने 137 बटालियन गंगा टास्क फोर्स के सहयोग से शनिवार को बरुणा नदी के तीसरे रिच की जाल बांध कर सफाई की गयी। जिससे प्लास्टिक कुडा.एवं अन्य तरीको के कचरे को साफ किया गया।इस दौरान मुख्य रुप से 137 बटालियन गंगा टास्क फोर्स के लेफ्टीनेन्ट कर्नल हेमन्त गंभीर,सूबेदार किशोर सिहं ,सूबेदार फूल चन्द अपनी पूरी टीम एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के चेयरमैन व पर्यावरणविद अनिल सिंह,ई.अमित,राजेन्दर सिहं,संयोग यादव,लक्ष्मन साहनी आदि लोगो ने अपनी अपनी जिम्मेदारी निभाकर स्वच्छ करने का संकल्प लिया।

2021-22 में रिकॉर्ड स्तर पर आया एफडीआई

83.57 अरब डॉलर रहा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2021-22 में देश में रिकॉर्ड एफडीआई आया है। सरकार की ओर शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 2021-22 में देश में प्रत्यक्ष विदेश निवेश एफडीआई 83.57 अरब डॉलर रहा जो अब तक का सबसे ऊंचा वार्षिक एफडीआई है। इससे पहले वित्त वर्ष 2020-21 में एफडीआई 81.97 अरब डॉलर के बराबर था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक बयान में कहा है कि यूक्रेन संकट और कोविड-19 महामारी के बावजूद वर्ष 2021-22 में एफडीआई इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 1.60 अरब डॉलर ऊंचा रहा और वर्ष के दौरान इसका नया रिकॉर्ड बना। वित्त वर्ष 2014-15 में एफडीआई 45.15 अरब डॉलर के बराबर था।बयान में कहा गया है, भारत में वित्त वर्ष 2003-04 के मुकाबले एफडीआई का स्तर 20 गुना ऊंचा हो चुका है। उस वर्ष यह केवल 4.3 अरब डॉलर था। मंत्रालय का कहना है कि एफडीआई प्रवाह से भारत के प्रति वैश्विक निवेशकों का आकर्षण संकेत मिलता है। भारत तेजी से दुनिया में निवेश के एक आकर्षक स्थान के रूप में उभर रहा है। वित्त वर्ष के दौरान सबसे ज्यादा करीब 25 प्रतिशत एफडीआई कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में आया। इस क्षेत्र में भी सबसे ज्यादा एफडीआई आकर्षित करने वाले राज्यों में कर्नाटक 53 प्रतिशत, दिल्ली 17 प्रतिशत और महाराष्ट्र 17 प्रतिशत सबसे ऊपर रहे। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कुल प्राप्त एफडीआई में 38 प्रतिशत हिस्से के साथ कर्नाटक सबसे ऊपर रहा। उसके बाद महाराष्ट्र 26 प्रतिशत और दिल्ली 14 प्रतिशत का स्थान है।

नीतियों में सुधार का मिला फल

मंत्रालय ने कहा, पिछले कई वर्षों से नीतियों में सुधार का फल मिला है और एफडीआई में वृद्धि हुई है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में सिंगापुर का भारत में एफडीआई प्रवाह सबसे शीर्ष पर रहा, वहां से प्राप्त निवेश का हिस्सा 27 प्रतिशत रहा। उसके बाद अमेरिका का 18 प्रतिशत और मॉरिशस का 16 प्रतिशत रहा था। विनिर्माण क्षेत्र ने वर्ष 2021-22 में 21.34 अरब डॉलर का एफडीआई आकर्षित किया जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में 12.09 अरब डॉलर का एफडीआई आया था।

पिंडरा तहसील दिवस पर 79 मामले आए, निस्तारण 5

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा स्थित तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस शनिवार को कुल 79 मामलों में 5 का निस्तारण हो पाया।अपर आयुक्त विश्वभूषण मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के बीच पहुंचे फरियादियों की समस्या को सुनने के बाद राजस्व विभाग के साथ न्यायपूर्ण कार्यवाही करने का निर्देश दिया। वहीं अपर आयुक्त ने राजस्व व पुलिस विभाग को समन्वय बनाकर कार्य करने की नसीहत दी। इस दौरान पाचवी बार प्रार्थना पत्र देते इंद्रजीत निवासी मलहथ ने आरोप लगाया कि स्वच्छता अभियान के तहत शौचालय का निर्माण कराया गया उसके बावजूद अभी तक पैसे का भुगतान नहीं हो पाया है जिसकी शिकायत खंड विकास अधिकारी से की गई थी।कोई हल नही निकला। शिवआसरे सरोज ने आरोप लगाया कि ग्राम सभा की नवीन परती भूमि की पैमाइश के संबंध में कई बार संपूर्ण समाधान दिवस पर पत्र दिया गया है जिसकी रिपोर्ट राजस्व विभाग द्वारा पोर्टल पर दर्ज नहीं किया गया। अवधेश सिंह निवासी पतेर ने आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान द्वारा सरकारी ग्राम सभा की जमीन पर बने तालाब को पाटकर अवैध रूप से कब्जा कराया जा रहा है। इस दौरान एसडीएम पिडरा राजीव राय,प्रशिक्षु उप जिलाधिकारी/ बीडीओ पिंडरा विकास चंद,बीडीओ बड़ागांव दीपांकर आर्य, सीओ पिंडरा अभिषेक पांडेय, तहसीलदार विकास पांडेय, न्यायिक तहसीलदार रामनाथ, नायब तहसीलदार साक्षी राय व तीनो थानों ने इंस्पेक्टर समेत अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेबी ने रामेल इंडस्ट्रीज की जमीन नीलाम की

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड सेबी ने रामेल इंडस्ट्रीज के एक भूखंड के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाले बोलीकर्ता की घोषणा कर दी है। बाजार नियामक ने निवेशकों के पैसे की वसूली के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं। सेबी ने एक सूचना में कहा कि पश्चिम बंगाल में स्थित इस भूखंड के लिए बोली 24 फरवरी को बोली लगाई गई थी। उस दौरान फर्म मां तारा डेवलपर्स को 4.30 करोड़ रुपए की बोली के साथ सबसे अधिक बोली लगाने वाला घोषित किया गया। पूंजी बाजार नियामक ने 24 फरवरी को रामेल इंडस्ट्रीज की संपत्तियों की कुल आरक्षित मूल्य 19 करोड़ रुपए में नीलामी की थी ताकि कंपनी द्वारा अवैध योजनाओं के जरिए जनता से जुटाए गए धन की वसूली की जा सके।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत एआरटीओ और यातायात प्रभारी ने चलाया चेकिंग अभियान

प्रखर गाजीपुर। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत से लगातार एआरटीओ और यातायात प्रभारी द्वारा चेकिंग का क्रम जारी है। इसके साथ ही अधिकारियों द्वारा स्कूल-कालेजों सहित अन्य स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। इसी क्रम में यातायात प्रभारी और एआरटीओ ने चेकिंग के दौरान विभिन्न अनियमितता में पांच आटो सहित कुल 83 वाहनों का चालान किया। इस दौरान लोगों से यातायात नियमों के पालन करने की अपील भी की। एआरटीओ राम सिंह और यातायात प्रभारी सुशील मिश्रा ने लंका, रौजा, नोनहरा आटो स्टैंड, महाराजगंज सहित अन्य स्थानों पर चेकिंग किया। इस दौरान अधिकारियों ने हर उन चालकों की क्लास ली, जो यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए दिखे। चेकिंग के दौरान बाइक पर तीन सवारी, बिना हेलमेट के साथ ही बिना सीट बेल्ट लगाए चारपहिया वाहन चलाते हुए पाने 78 वाहनों का चालान किया गया। इसके साथ ही नोनहरा आटो स्टैंड पर नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर पांच आटो का चालान किया गया। चेकिंग के दौरान लोगों को जागरूक करते हुए एआरटीओ राम सिंह ने कहा कि यदि आप और हम यातायात नियमों का पालन करेंगे तो शायद दुर्घटनाओं में काफी हद तक कमी आएगी। इसलिए खुद नियमों का पालन करें और दूसरो को भी इसके लिए जागरूक करें। यातायात प्रभारी सुशील मिश्रा ने कहा कि किसी भी हाल में बाइक पर तीन सवारी न चलें। बिना हेलमेट के कदापि बाइक न चलाए। क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मौतें सिर पर चोट लगने की वजह से होती है। यदि आप हेलमेट का प्रयोग करेंगे तो सिर सलामत रहेगा और काल के गाल में समाने से बच सकते है। यातायात नियमों का पालन कर आप सुरक्षित रह सकते है। कहा कि जो भी यातायात निमयों का उल्लंघन करते हुए पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्यवाही होना तय है। इसलिए नियमों का पालन करें और कार्यवाही से बचे। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के तहत स्कूल-कालेजों के साथ ही बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रही है ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

अवैध वसूली कर रहे वाहन स्टैंड की उच्च अधिकारियों ने की जांच पड़ताल

प्रखर मिजार्पुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े तेवरों के पश्चात वाहन स्टैण्डों की जाँच में जिलाप्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाई देखने को मिली । दोपहर करीब बारह बजे नगरमजिस्ट्रेट विनयकुमार सिंह , पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रभात राय , थानाप्रभारी नीरज पाठक पर्याप्त पुलिसबल के साथ लगभग आधा दर्जन वाहन स्टैण्डों की जाँच पड़ताल की जहाँ मौजूद वाहन स्वामियों से पूछताछ में पुख्ता प्रमाण मिले की 50 रुपए से लेकर 200 रुपये तक की अवैध वसूली स्टैण्डों में चल रही है । इस प्रक्रिया में विभिन्न स्टैण्डों से कुल छह लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया । कार्यवाई की सूचना पर कई स्टैण्डों से तो देखरेख करने वाले कर्मचारी पार्किंग स्थलों को लावारिस छोड़कर कर पलायन कर गए । उन लावारिस स्टैण्डों में थानाप्रभारी ने ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से मौजूद वाहन चालकों व स्वामियों को सचेत किया कि आप लोग बिना किसी वाहन शुल्क के अपने अपने वाहन ले जाएं । शुल्क की वसूली अवैध है । इस विषय पर जानकारी देते हुए सिओसिटी ने बताया कि आज की कार्यवाही अंतिम चेतावनी के रूप में थी । निर्देश न मानने वालों के विरुद्ध आगे से कठोर कानूनी कार्यवाई की जाएगी । जाँच के दौरान जिन छह लोगों को हिरासत में लिया गया है उनको जेल भेजा जाएगा । विन्ध्याचल में जितने भी वाहन पार्किंग स्थल है सभी को पुलिस द्वारा सूचना भेजी गई है कि नगरपालिका द्वारा जारी शुल्क से अधिक धन की वसूली न हो , साथ मे नगरपालिका से पार्किंग स्थलों के लिए अनुमति पत्र भी प्राप्त कर ले । नियम के विपरीत वसूली पर गुंडा व गैंगस्टर की कार्यवाई भी संभावित है ।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा की बैठक संपन्न

प्रखर गाजीपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा गाजीपुर के जमानिया ब्लॉक के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं की एक बैठक जमानिया ब्लॉक के धुस्का गांव में संपन्न हुई बैठक में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ने पर बल दिया गया तथा आने वाले समय में कार्यक्रम की रूपरेखा भी तय की गई बैठक के माध्यम से समस्त पदाधिकारियों ने अपनी अपनी बातों को रखा और अपनी समस्याओं को भी रखा जिसका निवारण भी किया गया इस मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए युवा जिला अध्यक्ष ने कहा कि जब से यह संगठन बना है तब से आज तक यह संगठन रात दिन अपने भाइयों की मदद करता रहा है और आज यह संगठन धीरे धीरे विस्तार की तरफ बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह संगठन समाज को दिशा और दशा देने का भी कार्य करेगा लेकिन सबसे पहले हम लोगों को ज्यादा से ज्यादा मेहनत कर इस संगठन में युवाओं को जोड़ना है क्योंकि युवा शक्ति आने वाले भविष्य है और उन्हीं के सहारे हम लोगों को आगे बढ़ना है इतिहास गवाह रहा है कि हमेशा ही क्षत्रियों ने समाज को दिशा और दशा देने का कार्य किया है आज की परिस्थिति में क्षत्रिय समाज की जिम्मेदारी समाज के प्रति बढ़ जाती है पृथ्वी पर क्षत्रिय ही ऐसा है जो धर्म और समाज दोनों की रक्षा का दायित्व क्षत्रिय समाज पर रहता है इसलिए आप लोग मिलकर मेहनत करें और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़कर के संगठन को आगे बढ़ाने का कार्य करे इस मौके पर जमानिया के प्रभारी अमरिंदर सिंह ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह मीडिया प्रभारी आलोक सिंह अमित सिंह मुकेश सिंह प्रिंस सिंह केसरी सिंह छुन्ना सिंह राजीव सिंह राहुल सिंह संजय सिंह आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

करमपुर स्टेडियम के 6 खिलाड़ियों का हुआ स्वागत

प्रखर गाजीपुर। स्व मेघबरन सिंह स्टेडियम करमपुर में 12वी हॉकी इंडिया सब जूनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप 2022 गोवा की विजेता उत्तरप्रदेश की टीम में शामिल करमपुर स्टेडियम के 6 खिलाड़ियों का स्वागत किया गया..खिलाड़ी क्रमशः मनोज यादव,विशाल पाण्डे, त्रिलोकी बेंवनसी ,आनंद राजभर,अजीत यादव,राहुल राजभर थे इस मौके पर मुख्य रूप से कोच इन्द्रदेव राजभर,व संचालक अनिकेत सिंह व मनोज सिंह थे इस मौके पर पूर्व सांसद राधे मोहन सिंह जी ने अपने आवास पर सभी खिलाड़ियों का मुँह मीठा कराया व इनके उज्वल भविष्य की कामना की इसी क्रम में सभी विजेता टीम के खिलाड़ियों को राज्य सरकार के तरफ से 1.50 लाख रुपये की धनराशि हर एक खिलाड़ी को दी जायेगी व एक गोल्ड मेडल विजेता टीम उत्तरप्रदेश ने प्रतियोगिता के फाइनल मैच में झारखण्ड की टीम को 3-0 से हरा कर प्रतियोगिता अपने नाम की थी।

जेके टायर की आय 31 प्रतिशत बढी, वित्तीय वर्ष 22 में 12000 करोड़ के पार

नई दिल्ली। टायर उद्योग में अग्रज जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (जेके टायर) ने वित्तीय वर्ष 2022 के लिये अपने अंकेक्षित परिणामों की घोषणा कर दी है। बोर्ड ने 75 प्रतिशत की दर से (2 रुपए अंकित मूल्य वाले शेयर पर 1.50 रुपए प्रति शेयर) लाभांश देने का प्रस्ताव रखा है। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, डॉ. रघुपति सिंघानिया, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) ने कहा, ह्लजेके टायर ने वित्त वर्ष 2022 में अब तक का सबसे अधिक 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया। कोविड प्रतिबंधों के खुलने के बाद अच्छी मांग है, जिसके परिणामस्वरूप वाणिज्यिक वाहन और यात्री कार टायर खंडों में अधिक मांग आई है। निर्यात ने शीर्ष-पंक्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 60% अधिक था। उन्होंने कहा, "वित्त वर्ष -22 में असाधारण आवक लागत वृद्धि ने चौतरफा लागत में कमी और दक्षता में सुधार के उपायों के साथ-साथ सभी टायर श्रेणियों में समय-समय पर कीमतों में वृद्धि के बावजूद हमारे मार्जिन को प्रभावित किया है। हमें उम्मीद है कि तनावों और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के समाधान के बाद मुद्रास्फीति संबंधी दबाव कम होंगे। कंपनी की सहायक कंपनियों - कैवेंडिश इंडस्ट्रीज लिमिटेड और जेके टॉर्नेल, मैक्सिको ने राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दोनों संस्थाओं ने वित्त वर्ष -22 के लिए अब तक की सबसे अधिक बिक्री हासिल की है। हमारा मानना है कि यह रुझान भविष्य में भी जारी रहेगा। हम टायर उद्योग के दृष्टिकोण पर आशावादी हैं क्योंकि हम बेहतर ढांचागत गतिविधियों, उच्च मोटर वाहन मांग और बेहतर बाहरी वातावरण को देखते हैं। कंपनी ने 530 करोड़ रुपये की लागत से अपनी पीसीआर क्षमता का विस्तार किया है। जिसका अतिरिक्त लाभ वर्ष 2023 के अंत तक उपलब्ध होने की उम्मीद है और बिक्री और लाभप्रदता में वृद्धि होगी। डॉ. सिंघानिया ने आगे कहा कि, "हम संसाधनों के संरक्षण, बाजार में उन्नत और अलग-अलग उत्पादों की पेशकश पर ध्यान देने के साथ एक स्थायी कंपनी बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

दुर्घटना में छह लोग घायल

प्रखर भीमापार (गाजीपुर)। सैदपुर-चिरैयाकोट मार्ग पर सैदपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पास शुक्रवार की देर रात तेज रफ्तार अनियंत्रित बोलेरो सड़क किनारे बाउंड्री से टकरा गई। इस दुर्घटना में छह लोग घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें सैदपुर स्थित प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। बताया गया है कि जगदीशपुर गांव निवासी शिक्षिका मैना सिंह अपने परिवार और रिश्तेदार के साथ एक वैवाहित कार्यक्रम में बोलेरो से गई थी। वहां देर रात करीब दो बजे घर लौट रही थी। इसी दौरान घर से पहले ही अचानक चालक को झपकी आने पर तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बाउंड्री से टकरा गई।

चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराया, अश्विन का दोहरा प्रदर्शन

राजस्थान चार साल बाद प्लेऑफ में

मुंबई। यशस्वी जायसवाल (59) के शानदार अर्धशतक और रविचंद्रन आश्विन की नाबाद 40 की तूफानी पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को शुक्रवार को पांच विकेट से हराकर आईपीएल की टॉप दो टीमों में जगह बनाते हुए चार साल बाद प्लेऑफ में पहुंचा।

चेन्नई मोईन अली की 93 रन की बेहतरीन पारी के बावजूद 20 ओवर में छह विकेट पर 150 रन का स्कोर ही बना पायी जबकि राजस्थान ने 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 151 रन बनाकर जीत अपने नाम की। राजस्थान की 14 मैचों में यह नौंवीं जीत रही और उसने लखनऊ सुपर जायंट्स को तीसरे स्थान पर धकेल कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया। चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। चेन्नई ने पॉवरप्ले में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में 75 रन ठोक डाले लेकिन इसके बाद चेन्नई की रफ्तार पर जैसे अंकुश लग गया और टीम अगले 14 ओवर में 75 रन ही जोड़ पायी। मोईन ने पॉवरप्ले में जबरदस्त तेजी के साथ बल्लेबाजी की और इस दौरान उन्होंने ट्रेंट बोल्ट के एक ओवर में एक छक्का और पांच चौके उड़ाए। इस ओवर में 26 रन पड़े। मोईन ने 19 गेंदों पर इस सत्र का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया लेकिन इसके बाद वह भी धीमे हो गए। मोईन ने 57 गेंदों पर 93 रन में 13 चौके और तीन छक्के लगाए। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को विकेटकीपर संजू सैमसन से दो जीवनदान मिले लेकिन वह इसका ज्यादा फायदा नहीं उठा पाए और 28 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन ही बना पाए। डेवोन कॉन्वे ने 16 रन बनाये। पावरप्ले के बाद राजस्थान की टीम ने शानदार वापसी की है। उनके धीमे गेंदबाजों ने पहले गेम को स्लो किया और फिर काफ़ी किफ़ायती गेंदबाज़ी की। हालांकि एक बार ऐसा लगा कि पिच थोड़ी सी धीमी हुई है। युजवेंद्र चहल ने 26 रन पर दो और ओबेद मकॉए ने 20 रन पर दो विकेट लिए। राजस्थान को वाइड से जीत मिली। इस जीत के साथ राजस्थान की टीम दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। चेन्नई ने बीच के ओवरों में कुछ विकेट जरूर निकाले लेकिन अश्विन ने जिस तरीके से बल्लेबाजी की, उसके सामने चेन्नई के गेंदबाज चाह कर भी कुछ नहीं कर पाए।

राजस्थान ने शुरुआती विकेट जल्दी गंवाए

लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे बटलर फिर फ्लॉप साबित हुए और दो रन बनाकर आउट हुए। वहीं कप्तान संजू सैमसन ने 15 और देवदत्त पडिक्कल ने 3 रन की पारी खेली। अश्विन ने 23 गेंदों पर नाबाद 40 रन में दो चौके और तीन छक्के लगाए और टीम को अकेले अपने दम पर जीत की मंजिल पर ले गए। यशस्वी ने पारी की शुरुआत में 44 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 59 रन बनाये। रियान पराग ने भी 10 रनों का योगदान दिया। राजस्थान का इस जीत के बाद पहले क्वॉलीफायर में कोलकाता में गुजरात टाइटंस से मुकाबला होगा। चेन्नई की तरफ से प्रशांत सोलंकी ने 20 रन पर दो विकेट लिए।

युजवेंद्र चहल ने की इमरान ताहिर के रिकॉर्ड की बराबरी

राजस्थान रॉयल्स के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने चेन्नई के खिलाफ दो विकेट लेने के साथ इमरान ताहिर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। ताहिर ने 2019 में 26 विकेट के साथ आईपीएल 2019 में बतौर स्पिनर सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया था। चहल ने आईपीएल 15 में 26 विकेट लेकर ताहिर के इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली हैं और अब वह इतिहास रचने से मात्र एक विकेट दूर हैं। राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंच गया हैं, ऐसे में चहल को कम से कम एक मैच और खेलने का मौका मिलेगा। ऐसे में इस लेग स्पिनर की नजरें यह रिकॉर्ड अपने नाम करने पर होगी। चहल ने सीएसके के खिलाफ चार ओवर के कोटे में 26 रन खर्च कर दो विकेट लिए।

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
बटलर	राजस्थान	629
केएल राहुल	लखनऊ	537
डिकॉक	लखनऊ	502
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	443

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	26
हसरंगा	बैंगलुरु	24
कगिसो रबाडा	पंजाब	22
उमरान मलिक	हैदराबाद	21

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	14	10	04	20	0.316
राजस्थान	14	09	05	18	0. 298
लखनऊ	14	09	05	18	0.251
बैंगलुरु	14	08	06	16	-0.253
दिल्ली	13	07	06	14	0.255
कोलकाता	14	06	08	12	0.146
पंजाब	13	06	07	12	-0.043
हैदराबाद	13	06	07	12	-0.230
चेन्नई	14	04	10	08	-0.203
मुंबई	13	03	10	06	-0.577

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
गायकवाड़ कै. संजू बो. बोल्ट	02	06	0/0
डेवन कॉन्वे पगबाधा अश्विन	16	14	1/1
मोईन अली कै. रियान बो. मकॉए	93	57	13/3
जगदीशन कै. पराग बो. मकॉए	01	04	0/0
रायुडू कै. पडिक्कल बो. चहल	03	06	0/0
धोनी कै. बटलर बो. चहल	26	28	1/1
मिचेल सैंटनर नाबाद	01	02	0/0
सिमरजीत नाबाद	03	03	0/0

अतिरिक्त: 5, कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 150 रन **विकेट पतन:** 1-2, 2-85, 3-88, 4-95, 5-146, 6-146 **गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 4-0-44-1, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-32-0, रविचंद्रन अश्विन 4-0-28-1, युजवेंद्र चहल 4-0-26-2, ओबेद मकॉए 4-0-20-2

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
यशस्वी कै. पथिराना बो. सोलंकी	59	44	8/1
बटलर कै. मोईन बो. सिमरजीत	02	05	0/0
संजू सैमसन कै. एवं बो. सैंटनर	15	20	2/0
देवदत्त पडिक्कल बो. मोईन अली	03	09	0/0
अश्विन नाबाद	40	23	2/3
हेटमायर बो. कॉन्वे बो. सोलंकी	06	07	1/0
रियान पराग नाबाद	10	10	1/0

अतिरिक्त: 16, कुल: 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 151 रन **विकेट पतन:** 1-16, 2-67, 3-76, 4-104, 5-112, **गेंदबाजी:** मुकेश चौधरी 4-0-41-0, सिमरजीत सिंह 3-0-18-1, मिचेल सैंटनर 3-0-15-1, मथीशा पथिराना 3.4-0-28-0, मोईन अली 4-0-21-1, प्रशांत सोलंकी 2-0-20-2

दिल्ली के लिए करो या मरो का मुकाबला आज

मुंबई जीता तो बेंगलुरु पहुंचेगा प्लेऑफ में

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के लिए मुंबई के खिलाफ अंतिम मुकाबला करो या मरो का मैच होगा। कप्तान ऋषभ पंत की टीम के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है तो वहीं मुंबई इंडियंस सत्र का समापन जीत से करना चाहेगी, हालांकि पांच बार की चैंपियन के लिए यह मायने नहीं रखेगा। दिल्ली कैपिटल्स (नेट रन रेट +0.255) के लिए समीकरण बहुत सरल है जिसमें उसे शीर्ष चार में जगह बनाने के लिए बस मुंबई इंडियंस को हराने की जरूरत है जिससे वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (-0.253) के नेट रन रेट के कारण आगे हो जाएगी। अगर मुंबई जीत जाती है तो दिल्ली की कुल जीत 7 ही रह जाएंगी और बेंगलुरु 8 जीत के साथ प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। अगर दिल्ली मैच जीत जाती है तो वह 8 जीत और बेहतर नेट रन रेट के साथ बेंगलुरु को प्लेऑफ की रेस में पछाड़ देगी। मुंबई इंडियंस की बात की जाये तो इस मैच में सभी की दिलचस्पी होगी कि महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आखिर में एक मैच मिलता है या नहीं क्योंकि वह दो सत्र में 27 मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिया था कि वे अंतिम मैच में कुछ नये चेहरों को उतारेंगे। दिल्ली अनिरंतर प्रदर्शन के कारण इस स्थिति में हैं, जब भी दिल्ली कैपिटल्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया जिसमें डेविड वॉर्नर (427 रन) या मिशेल मार्श (251 रन) या फिर रोवमैन पॉवेल (207 रन) ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया जबकि स्पिनर कुलदीप यादव (20 विकेट), अक्षर पटेल (छह विकेट) और ललित यादव (चार विकेट) ने भी गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया।

आईपीएल: आठ बजे से शुरू होगा फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली। आईपीएल के 15वें सीजन का फाइनल मुकाबला 29 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2022 फाइनल मैच की टाइमिंग को लेकर बीसीसीआई ने अब बड़ा कदम उठाया है। समापन समारोह के चलते फाइनल मैच की टाइमिंग में बदलाव किया गया है। फाइनल मैच अब 7:30 बजे के बजाय रात 8 बजे शुरू होगा।

मैच से पहले सांस्कृतिक समारोह शाम 6:30 बजे शुरू किया जाएगा। इसके बाद 7:30 बजे टॉस होगा और 30 मिनट बाद मैच शुरू होगा। पिछले तीन साल से आईपीएल में ना तो कोई उद्घाटन और ना ही समापन समारोह हुआ है। हालांकि इस बार बीसीसीआई ने निविदा प्रक्रिया के माध्यम से आईपीएल 2022 के समापन समारोह के आयोजन के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां भी आमंत्रित की थी। आईपीएल 2022 के लीग मैच 22 मई को समाप्त होने वाले हैं। इसके बाद कोलकाता और अहमदाबाद में प्लेऑफ मुकाबले और क्वॉलीफायर 1 तथा एलिमिनेटर मुकाबले खेले जाएंगे। मौजूदा समय में दोपहर के मैच को 03:30 बजे शुरू होते हैं जबकि शाम के मैच 07:30 बजे से। बीसीसीआई ने कहा कि डबल हेडर के लिए बीसीसीआई का पसंदीदा समय भारतीय मानक समय शाम 4 बजे और रात 8 बजे होगा।

धोनी अगले साल भी करेंगे चेन्नई की कप्तानी

चेन्नई। आईपीएल के गत विजेता चेन्नई सुपर किंग्स और उनके समर्थकों के लिए एक बड़ी खुशी की बात है कि महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर अगले साल चार बार विजयी रह चुकी टीम में दिखेंगे।

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने शुक्रवार को कहा कि अगले साल मेरे पास चेन्नई में खेलने का मौका होगा। अगला साल मेरा आखिरी साल होगा या नहीं, ये तो मुझे नहीं पता। धोनी ने टॉस जीतने के बाद कहा, मेरे लिए चेन्नई में जाकर नहीं खेलना नाइंसाफी होगी। एक खिलाड़ी या व्यक्ति के तौर पर वहां मुझे बहुत प्यार मिला है। अगले साल मेरे पास चेन्नई में खेलने का मौका होगा। अगला साल मेरा आखिरी साल होगा या नहीं, ये तो मुझे नहीं पता लेकिन मैं यह जरूर कह सकता हूं कि अगले साल हम मजबूती से वापसी करेंगे। 022 का सीजन चेन्नई के लिए निराशाजनक रहा है और वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम है। धोनी ने टीम प्रबंधन से अगले साल उपलब्ध होने की बात की है और यह भी बताया है कि वह कप्तानी करेंगे। साथ ही कप्तानी छोड़ने के बाद चोटिल होने के बाद इस सीजन से बाहर हुए हरफनमौला रवींद्र जडेजा भी 2023 आईपीएल के लिए टीम में लौटेंगे। उनके बाहर जाने के तरीके से अफवाहों का बाजार गर्म हो गया था। सीजन के शुरुआत में चेन्नई ने जिन चार खिलाड़ियों को रिटेन किया था उनमें ये दोनों सबसे प्रमुख थे। जहां जडेजा को 16 करोड़ रुपयों की राशि में सबसे पहले टीम में रखा गया था तो वहीं धोनी 14 करोड़ के साथ दूसरे नंबर के पिक थे।

नाथन हॉरिट्ज आयरलैंड के स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त

डबलिन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर नाथन हॉरिट्ज को आयरलैंड टीम का नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। वह पुरुष टीम के साथ-साथ महिला टीमों के साथ भी काम करेंगे। हॉरिट्ज ने कहा, इस अवसर के बारे में मैं ज्यादा नहीं सोच रहा था। मुझे सभी स्पिन गेंदबाजी के सभी पहलुओं पर चर्चा करना पसंद है। मेरी विशेष रुचि के रूप में एक कोच स्पिन गेंदबाजी के हर पहलुओं पर चर्चा करता है। 40 वर्षीय हॉरिट्ज ने 2002 से 2011 तक ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला, जिसमें 17 टेस्ट, 58 वनडे और 3 टी20 शामिल थे, जिसमें कुल मिलाकर 128 विकेट थे।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम घोषित

बोर्ड ने 2022 विश्व कप विजेता टीम को रखा बरकरार

मुंबई। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी हैं। बोर्ड ने इस टूर्नामेंट के लिए एकदिवसीय विश्व कप 2022 जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम में कोई बदलाव नहीं किया है।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम 29 जुलाई को भारत के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेलों में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भी यही टीम चुनी है। उत्तरी आयरलैंड में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से मेग लेनिंग की टीम को अंतरिम मुख्य कोच शैली निशके के मार्गदर्शन में तैयारी करने का मौका मिलेगा जिन्होंने मैथ्यू मोट के जाने के बाद जिम्मेदारी संभाली है। मोट इंग्लैंड की सीमित ओवरों की पुरुष टीम के साथ जुड़ गए हैं। न्यूजीलैंड में 50 ओवर का विश्व कप जीतने के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम टी20 विश्व चैंपियन भी है और हाल में उसने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड और भारत के खिलाफ भी श्रृंखलाएं जीती हैं। ऑस्ट्रेलिया ने एलिस पैरी को टीम में जगह दी है लेकिन कमर के स्ट्रेस फ्रेक्चर से पूरी तरह से नहीं उबर पाने के कारण उनके दौरे पर सिर्फ बल्लेबाज के रूप में खेलने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया की महिला राष्ट्रमंडल टीम

मेग लेनिंग (कप्तान), रेशेल हेन्स, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशलेग गार्डनर, ग्रेस हैरिस, एलिसा हीली, जैस जोनासेन, एलेना किंग, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पैरी, मेगान शुट, एनाबेल सदरलैंड, अमांडा-जेड वेलिंगटन।

वॉर्म-अप मैच से पहले न्यूजीलैंड के तीन सदस्य हुए कोरोना से संक्रमित

लंदन। इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलने गई न्यूजीलैंड के तीन सदस्य कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। शुक्रवार सुबह को तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर, बल्लेबाज हेनरी निकोलस और गेंदबाजी कोच शेन ज्युरगेंसन के रैपिड एंटीजन टेस्ट में कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद तीनों सदस्यों को पांच दिन के आइसोलेशन में भेज दिया गया है। यह सभी इस समय होटल के कमरों में आइसोलेशन का समय व्यतीत कर रहे हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी की गई मीडिया रीलीज में इस बात की पुष्टि हुई है कि संक्रमित पाए गए तीनों सदस्यों के अलावा तमाम सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं 20 मई से 23 मई तक खेले जाने वाला ससेक्स के खिलाफ वॉर्म-अप मैच प्रभावित नहीं होगा। 46 टेस्ट मैचों में 40.38 के औसत से आठ टेस्ट शतक बनाने वाले निकोलस न्यूजीलैंड के मध्य क्रम का अहम हिस्सा हैं। तेज गेंदबाज टिकनर ने अब तक टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड के लिए पदार्पण नहीं किया है। हालांकि वह दो वनडे और आठ टी20 मुकाबलों में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

ड्रेसिंग रूम में बल्ला, हेलमेट फेंककर जाहिर की थी नाराजगी

आईपीएल: मैच रेफरी ने मैथ्यू वेड को लगाई फटकार

मुंबई। अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के कारण मैच रेफरी ने मैथ्यू वेड को औपचारिक रूप से फटकार लगाई है। बेंगलुरु के खिलाफ गुजरात के मैथ्यू वेड ने मैक्सवेल की एंगल से अंदर आती एक गेंद पर पगबाधा करार दिए गए। हालांकि वेड को एकदम विश्वास था कि गेंद पैड पर लगने से पहले बल्ले का अंदरूनी किनारे से लग कर गई है, इसलिए उन्होंने रिव्यू भी लिया रिप्ले में भी ऐसा लगा कि गेंद ने बल्ले का किनारा लेकर अपनी दिशा बदली है, लेकिन अल्ट्रा एज में ऐसा कुछ नहीं दिखा। कॉमेंटेटर मैथ्यू हेडन, ग्रीम स्वान और साइमन डूल भी इस निर्णय को लेकर आश्चर्यचकित थे। उन्हें भी नंगी आंखों और फिर बार-बार रिप्ले देखने से यह लग रहा था कि गेंद ने बल्ले को जरूर छुआ है। वेड इस निर्णय से भौचक्का थे। वह सिर हिलाते हुए पवेलियन वापस पहुंचे। ड्रेसिंग रूम में उन्होंने बल्ला और हेलमेट फेंक अपनी नाराजगी जाहिर की। मैच के बाद रेफरी ने उन्हें आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के धारा 2.5 के तहत लेवल-1 का दोषी माना है और उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। वेड ने भी अपने दोष को मान कर सजा स्वीकार कर ली है।

नईम हसन श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली। चोट की समस्याओं से जूझ रही बांग्लादेश क्रिकेट टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। पहले टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले वाले ऑफ स्पिनर नईम हसन दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। चट्टोग्राम टेस्ट में युवा गेंदबाज को अपनी ही गेंदबाजी के दौरान फील्डिंग करते हुए दाहिने हाथ की बीच वाली उंगली में चोट लग गयी थी और एक्स-रे से इसके टूटने की पुष्टि हुई है। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के मुख्य फिजियो देबाशीष चौधरी ने पुष्टि की कि नईम हसन दो मैचों की सीरीज के शुरुआती मैच में लगी उंगली की चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

टिम डेविड ने ऑल टाइम टी20 इलेवन में इन खिलाड़ियों को चुना, अपने ही कप्तान रोहित शर्मा को नहीं किया शामिल

नयी दिल्ली। क्रिकेट के महाकुंभ का पहला पड़ाव पूरा होने वाला है और इसी के साथ मुकाबले भी मुंबई से शिफ्ट होकर कोलकाता और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। इस सीजन में कई आश्चर्यजनक मुकाबले और प्रदर्शन देखने को मिले। जैसे पांच बार की चैंपियन मुंबई और चार खिताब अपने नाम कर चुकी चेन्नई के लिए यह सीजन सबसे ज्यादा निराशाजनक रहा। इन टीमों ने अपनी पूरी जी-जान लगा दी इसके बावजूद मुकाबले नहीं जीत पाए। मुंबई की बात की जाए तो पिछले मुकाबले में जीत के करीब पहुंचने के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। एक समय ऐसा भी था जब उम्मीदें काफी कम थी कि मुंबई मुकाबला जीत सकती है लेकिन टिम डेविड की तूफानी पारी ने हैदराबाद के गेंदबाजों के छक्के छुड़ा दिए थे लेकिन टिम डेविड के आउट होने के बाद हैदराबाद के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 19वां ओवर मेडन डालकर मुंबई के हाथों से मुकाबला छीन लिया। इस दौरान टिम डेविड ने 18 गेंद में 255 के स्ट्राइक रेट से 46 रनों की पारी खेली। जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल हैं। इसके बाद भी मुंबई 3 रन से मुकाबला हार गई। मुंबई इंडियन ने मेगा ऑक्शन में टिम डेविड के लिए 8.25 करोड़ रुपए खर्च किए थे। पिछले कुछ मुकाबलों में टिम डेविड का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्हें बड़े-बड़े शॉट खेलने के लिए जाना जाता है। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा और टीम प्रबंधन को उन पर अधिक विश्वास दिखाने की जरूरत थी ? खैर इन तमाम बातों के बीच में सिंगापुर के बल्लेबाज का एक वीडियो सामने आया था। जिसमें उन्हें ऑलटाइम टी20 इलेवन चुनते हुए देखा गया था। जिसमें उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों को जगह दी थी लेकिन रोहित शर्मा को उन्होंने शामिल नहीं किया। टिम डेविड ने अपनी ऑल टाइम टी20 इलेवन के सलामी बल्लेबाज के तौर पर क्रिस गेल और शेन वॉटसन को चुना था। नंबर तीन पर विराट कोहली और चौथे नंबर पर 360 डिग्री खिलाड़ी एबी डिविलियर्स को टीम में जगह दी थी। इसके अलावा उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को नंबर पांच पर और किरोन पोलार्ड को नंबर छह पर जगह दी। जबकि आंद्रे रसेल, ड्वेन ब्रावो और राशिद खान को क्रमशः 7वें, 8वें और 9वें नंबर के लिए चुना था। इन तमाम खिलाड़ियों ने अलावा टिम डेविड ने सुनील नारायण और मिचेल स्टार्क को भी टी20 इलेवन के लिए चुना था। टिम डेविड ऑल टाइम टी20 इलेवन टीमः- क्रिस गेल, शेन वॉटसन, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, महेंद्र सिंह धोनी, किरोन पोलार्ड, आंद्रे रसेल, ड्वेन ब्रावो, राशिद खान, सुनील नारायण, मिचेल स्टार्क।

थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट: यामागुची को तीन गेमों के कड़े संघर्ष के बाद 21-15, 20-22, 21-13 से हराया

नंबर एक यामागुची को हराकर सिंधु सेमीफाइनल में पहुंची

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की शीर्ष खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान की अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्वी अकाने यामागुची को शुक्रवार को तीन गेमों के कड़े संघर्ष में 21-15, 20-22, 21-13 से हराकर थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

सिंधु ने यामागुची से यह मुकाबला 51 मिनट में जीता। सिंधु का सेमीफाइनल में तीसरी सीड चीन की चेन यू फेई से मुकाबला होगा। विश्व रैंकिंग में सातवें नंबर की सिंधु ने रैंकिंग में नंबर एक खिलाड़ी यामागुची के खिलाफ इस जीत के बाद अपना करियर रिकॉर्ड 14-9 कर लिया है। क्वॉर्टरफाइनल में सिंधु ने पहला गेम आसानी से जीता लेकिन दूसरा गेम नजदीकी संघर्ष में गंवा दिया। निर्णायक गेम में सिंधु ने अपनी लय पकड़ने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और इस गेम को आसानी से जीतकर अंतिम चार में जगह बना ली।

पिछली बार दोनों खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में विवाद खड़ा हो गया था जिसमें सिंधु पर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दौरान अंपायर ने रणनीति बनाने में देरी के लिए एक अंक का जुर्माना लगाया था। शुरू में दोनों खिलाड़ियों के खेल में कोई अंतर नहीं था जिसमें सिंधु अपने क्रास कोर्ट शॉट से यामागुची को मुश्किल में डाल रही थीं जो तीन अंक की बढ़त गंवा बैठी और भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक 11-9 से आगे हो गई। सिंधु ने फिर लगातार सात अंक जुटाकर इसे 19-14 कर दिया। यामागुची के नेट पर शॉट लगाने से वह इस गेम को अपने नाम करने में सफल रहीं। यामागुची दूसरे गेम में थोड़ी सक्रिय नहीं दिख रही थीं जिसका फायदा उठाते हुए सिंधु ने ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली जिसमें उन्होंने बिना किसी परेशानी के अंतिम 11 अंक में 10 जीत लिए। ब्रेक के बाद सिंधु को सर्विस फॉल्ट मिला और जल्द ही यामागुची ने वापसी करते हुए अच्छे शॉट लगाकर 16-16 की बराबरी हासिल कर ली। तेजी से लगे स्मैश और सटीक रिटर्न से जापानी खिलाड़ी को दो अंक मिले। सिंधु ने दो अंक बचाए लेकिन सर्विस में गलती कर बैठी जिससे मैच निर्णायक गेम तक पहुंच गया। तीसरे गेम में सिंधु ने छह अंक की बढ़त बना ली थी और यामागुची को अपनी पीठ से परेशानी हो रही थी जिससे उनके स्ट्रोकप्ले प्रभावित हो रहे थे। सिंधु ने यामागुची की गलती से 15-11 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही अपने स्मैश और सटीक शॉट से अंक जुटाकर जीत हासिल की।

पुष्टाहार निर्माण ईकाई प्लांट का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने आज हलिया विकास खण्ड के ग्राम महुगढ़ में कान्हा प्रेरणा महिला लघु उद्योग द्वारा संचालित पुष्टाहार निर्माण इकाई (टेक होम राशन) प्लांट का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी द्वारा प्लांट का निरीक्षण किया गया तथा इसके उत्पादन क्षमता आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गयी। उपायुक्त मनरेगा नफीस अहमद ने जिलाधिकारी को पूरे प्लांट का निरीक्षण कराया गया तथा उनके द्वारा बताया गया कि यह पुष्टाहार निर्माण इकाई प्रदेश का आठवां प्लांट है। उन्होने बताया कि जनपद में इस तरह के चार प्लांट लगाये जाने है जिसमें सिटी, हलिया, पटेहरा कला एवं छानबे विकास खण्ड में स्थापित किया जाना है, जिसमें से हलिया विकास खण्ड के ग्राम सभा महुगढ़ टेक होम राशन प्लांट का शुभारम्भ आज किया गया शेष तीनो विकास खण्डो मे प्लांट निमार्णाधीन हैं। उन्होने बताया कि महुगढ़ हलिया के इस प्लांट से विकास हलिया कोन एवं लालगंज में पुष्टाहार की आपूर्ति की जायेगी यह भी बताया कि जनपद में निमार्णाधीन प्रत्येक प्लांट से 03-03 विकास खण्डो में पुष्टाहार की आपूर्ति की जायेगी। जनपद चारो प्लांट के स्थापित होने से अब बाहर से पुष्टाहार मंगाने की आवश्यकता नही पड़ेगी तथा इन प्लांटो से गुणवत्तापूर्ण पुष्टाहार समय से केन्द्रो पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होने बताया कि इस प्लांट से 03 से 06 वर्ष के बच्चो के लिये व्यंजन/ पोषाहार तैयार किये जायेगे जिसमें आटा बेसन की बर्फी प्रीमिक्स एवं दलिया मूंग दाल एवं खिचड़ी तैयार किया जायेगा।

योग का चला महा अभियान

ब्लॉक संसाधन केंद्र चोलापुर पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रखर वाराणसी। ब्लॉक संसाधन केंद्र चोलापुर के प्रांगण में तथा समस्त विद्यालयों पर योग महाअभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन प्रातः 7:00 से 8:00 के मध्य किया गया। ब्लॉक संसाधन केंद्र चोलापुर पर आयोजित विशेष योग प्रशिक्षण सत्र में खण्ड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश कुमार राय के निर्देशन व योग प्रशिक्षक तथा ब्लॉक व्यायाम शिक्षक प्रेम चौधरी की उपस्थिति में 107 शिक्षकों ने योग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश कुमार राय ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी विद्यालयों में अध्यापकों, अभिभावकों एवं बच्चों को योग के माध्यम से स्वस्थ रहने का संदेश देना है। दिनांक 23 मई से 27 मई तक विकास क्षेत्र चोलापुर के प्रत्येक विद्यालय में प्रातः 7:00 से 8:00 तक योग शिविर का आयोजन किया गया है, जिसके नोडल संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक होंगे। योग शिविर सभी लोगों के लिए खुले रहेंगे एवं विद्यालय में पंजीकरण कराकर कोई भी योग सीख सकता है। पंजीकरण कराने एवं शिविर में योग प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। योग प्रशिक्षण के दौरान लेखाकार पंकज मिश्रा, कार्यालय सहायक बंधु प्रकाश चौबे, एआरपी भारतीश कुमार मिश्रा, नितेश कुमार यादव, नोडल शिक्षक संकुल ज्योति प्रकाश तथा शिक्षकों में लालजी राम, दयाराम, विनोद कुमार, दिनेश कुमार, रीनू मौर्या, वंदना मौर्य, वंदना सिंह, कुसुम लता आदि उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर सुनी गई फरियादियों की फरियाद

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) की अध्यक्षता में दूरदराज ग्रामीण इलाके से आए हुए ग्रामीणों की सुनी गई फरियाद। जनता की समस्याओ को मौके पर निस्तारण के दृष्टिगत प्रदेश सरकार संचालित महात्वाकांक्षी कार्यक्रम सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन आज जनपद के सभी तहसीलो मे आयोजित किया गया। तहसील सहजनवा में मुख्य राजस्व अधिकारी तहसीलदार केशव प्रसाद, नायब तहसीलदार अमित कुमार सिंह ने आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस मे उपस्थित होकर जन समस्याओ को सुनते हुये निस्तारण आवश्यक दिशा निर्देश दिया। संपूर्ण समाधान दिवस मे आये जनता जर्नादन की समस्याओ को मुख्य राजस्व अधिकारी के द्वारा एक-एक कर गम्भीरता के साथ सुना गया तथा उपस्थित विभागीय अधिकारियो से ससमय निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। उन्होने अधिकारियो से कहा कि जनता की समस्याओ का समाधान को गम्भीरता पूर्वक लेते हुये अधिकारी पूरी पारदर्शिता के साथ निस्तारण करते हुये सम्बन्धित फरियादी के मोबाइल पर उसे अवगत भी कराये ताकि फरियादियो को बार-बार तहसील व जिला मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़े। सहजनवा तहसील में तहसील दिवस के अवसर पर कुल 67 मामले आए । जिसमें एक मामले का निस्तारण हो पाया। राजस्व के 52 , पुलिस के 6, विकास कार्यो के 3, समाज कल्याण 0, शिक्षा विभाग 0, स्वास्थ्य विभाग 0 तथा अन्य छह मामले आए।

समाधान दिवस पर हो रहा है समाधान : एसडीएम

प्रखर गोरखपुर। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उप जिलाधिकारी खजनी पवन कुमार व व क्षेत्राधिकारी खजनी अनिल कुमार सिंह.के द्वारा तहसील खजनी पर जनसुनवाई की जा रही है। इस अवसर पर प्रत्येक फरियादियों से उनकी समस्याओं को सुना जा रहा है। एवं निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया जा रहा है। भूमि विवाद के मामलों में राजस्व तथा पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु भी निर्देशित किया जा रहा है। जिससे शिकायतकर्ता पूर्णतया संतुष्ट हो।इस मौके पर तहसीलदार प्रदुमन कुमार, राजस्व निरीक्षक व लेखपाल अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

रुक्मिणी जी साक्षात लक्ष्मी की अवतार थीं-कथा व्यास

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के खड़ौरा ब्राह्मण बस्ती में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास आचार्य पं०वृजेशकुमार पाण्डेय ने रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया।कहा कि रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्मक की पुत्री और साक्षात लक्ष्मी जी का अवतार थी। रुक्मिणी देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा जबसे सुनी थी तबसे उसने मन ही मन श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय कर लिया था। परन्तु रुक्मिणी का बड़ा भाई रुक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह चेदिनरेश राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था। रुक्मणी को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने एक ब्राह्मण संदेशवाहक द्वारा श्रीकृष्ण के पास अपना परिणय संदेश भिजवाया। तब श्रीकृष्ण विदर्भ देश की नगरी कुंडीनपुर पहुंचे और वहां बारात लेकर आए शिशुपाल व उसके मित्र राजाओं शाल्व, जरासंध, दंतवक्त्र, विदु रथ और पौंडरक को युद्ध में परास्त करके रुक्मणी का उनकी इच्छा से हरण कर लाए। वे द्वारिकापुरी आ ही रहे थे कि उनका मार्ग रुक्मी ने रोक लिया और कृष्ण को युद्ध के लिए ललकारा। तब युद्ध में श्रीकृष्ण व बलराम ने रुक्मी को पराजित करके दंडित किया। तत्पश्चात श्रीकृष्ण ने द्वारिका में अपने संबंधियों के समक्ष रुक्मणी से विवाह किया। इस मौके पर कथा आयोजक श्यामा चरण पाण्डेय हीरा लाल पाण्डेय मोती लाल ?पाण्डेय, अजय कुमार पांडेय किशन विक्की के अलावा अलावा काशी के प्रकांड विद्वान द्वय (जयकुमार पाण्डेय ,राजेश कुमार पांडेय) पियूष कुमार पांडेय, हनुमान प्रसाद पांडेय,मनोज आदि भक्त सुधि श्रोता उपस्थित रहे।

आयुष्मान कार्ड पखवाड़े में मोहमदाबाद का रहा प्रथम स्थान

प्रखर गाजीपुर। जनपद में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से चलने वाले सभी तरह के योजना, चाहे वह कोविड-19 टीकाकरण का हो या फिर अन्य किसी योजना का। लेकिन सभी योजना में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहमदाबाद हमेशा से अव्वल आता रहा है। जिसको लेकर जिलाधिकारी भी कई बार अपनी बैठकों में इस बात को कह चुके हैं। और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधीक्षक को मोहमदाबाद की कार्यप्रणाली से सबक लेने की बात कह चुके हैं। वहीं अब एक बार फिर से 4 मई से 18 मई तक चले विशेष आयुष्मान कार्ड पखवाड़ा में मोहमदाबाद ने अपना स्थान बरकरार रखते हुए जनपद में डंका बजाया है।

एसीएमओ डॉ डीपी सिन्हा ने बताया कि 18 मई को बीते आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए चल रहे विशेष पखवाड़ा का समापन होने के बाद जो रिपोर्ट स्टेट से प्राप्त हुई उसके अनुसार जनपद में 96243 परिवार का 46718 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। जिसके आधार पर जनपद प्रदेश में प्रथम रहा। वहीं अगर हम जनपद गाजीपुर के समस्त ब्लॉकों की बात करें तो मोहम्मदाबाद 4227 कार्ड बनाकर जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। भावर कोल 3751 कार्ड बना कर दूसरे स्थान पर और बाराचवर 3724 कार्ड बनाकर तीसरे स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि टॉप 4 ब्लॉकों के चिकित्सा अधीक्षक और बीडियो को प्रशस्ति पत्र देकर विभाग के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। जनपद के सभी ब्लॉक की अगर बात करें तो मोहमदाबाद 4227 ,भांवरकोल 3751, बाराचवर 3724,मनिहारी 3626, देवकली 3190, बिरनो 3179, जखनिया 3054, जमानिया 2948, कासिमाबाद 2896, मरदह 2651, गाजीपुर 2645, सैदपुर 2525, करंडा 2309,भदौरा 2229, सादात 2157 ,रेवतीपुर में 1607 कार्ड बनाए गए।

उद्यमी उद्यम करे, उत्पीड़न पर होगी कार्रवाई - सांसद

प्रखर पिंडरा वाराणसी। भाजपा सांसद वीपी सरोज ने उद्यमियों का किसी भी प्रकार से उत्पीड़न नही होने दिया जाएगा।इसके लिए जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री से भी मिलकर शिकायत दर्ज कराई जाएगी। उद्यमी निश्चिन्त होकर व्यवसाय करेंगे। उक्त बातें शनिवार को एग्रो पार्क परिसर करखियाव में उद्यमियों से मिलकर उनकी समस्या सुनी और समस्या निवारण का आश्वाशन दिया। क्षेत्रीय सांसद ने कहाकि प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने के लिए एक तरफ पीएम मोदी व सीएम योगी जहाँ प्रतिबद्ध है । उद्यमी निश्चित होकर उद्यम करे, किसी भी उद्यमी का अहित नही होंगे देंगे। उद्यमियों के समस्याओं को सुना और कहाकि जो जिसकी जिम्मेदारी है उसे निभाये किसी को थोपे नही। जो जिम्मेदारी यूपीएसआईडीसी और यूपीसीडा की है वह उसे पूरा करे। उद्यमियों को बाध्य करेंगे तो उनके लिए ठीक नही होगा। बताते चलें कि ईटीपी लगवाने के लिए अधिकारियों द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। जबकि उद्यमियों का कहना है कि जब टैक्स इसी लिए देते हैं तो फिर हम क्यो लगवाए।

पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम विषय पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर गोरखपुर। भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम (पी पी वी एफ आर ए) विषय पर एक दिवसीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आज दिनांक 21.05.2022 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र चौकमाफी पीपीगंज गोरखपुर में किया गया । केंद्र के प्रभारी अध्यक्ष डॉ विवेक प्रताप सिंह ने अतिथियों व कृषको का स्वागत संबोधन करते हुए अथिति सम्मान किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, निदेशक, भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल ने मुख्य अतिथि श्री राधे श्याम सिंह, राज्य मंत्री (दर्जा प्राप्त) एवं विशिष्ट अतिथि योगी कमलनाथ जी, सचिव, गुरु गोरखनाथ सेवा संस्थान को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया और कृषको को संबोधित करते हुए बताया कि किस्मो का संरक्षण एवं पंजीकरण में भारतीय गेहूं एवं अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा सहयोग किया जाएगा और वहा से विकसित गेंहू जौ की उच्च उत्पादन क्षमता वाली प्रजातियों को कृषको को दिया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राधे श्याम सिंह, राज्य मंत्री (दर्जा प्राप्त), उत्तर प्रदेश राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्थान ने अपने सबोधन में बीज पंजीकरण, जैविक खेती, मृदा जांच एवं सरकार द्वारा कृषक हितार्थ चलायी जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। डॉ सी.एन. मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन कर तकनीकी सत्र आरम्भ किया जिसमें डॉ सतीश कुमार, नोडल अधिकारी, क्ळटव ने कृषको को पी पी वी एफ आर ए कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया । डॉ अरुण गुप्ता ने कृषको को पौध संरक्षण अधिनियम में कृषको के अधिकार के साथ साथ पंजीकरण से प्रमाण पत्र तक पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी और कृषकों को इससे लाभ के बारे में बताया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ वैभव सिंह, ने जर्मप्लाज्म के सुरक्षिक भंडारण के एकीकृत रोग एवं कीट प्रबंधन के बारे में कृषको को जानकारी दी। मंच संचालन कर रहे डॉ अजित कुमार श्रीवास्तव ने कृषकों का धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया।

आपसी प्रेम, भाईचारा, सह अस्तित्व और सौहार्द्र की गौरवशाली परम्परा का देश है भारत : डा . मोहम्मद आरिफ

प्रखर वाराणसी। सामाजिक संस्था 'आशा ट्रस्ट' के तत्वावधान में भंदहा कला स्थित प्रशिक्षण केंद्र पर दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर शनिवार को प्रारम्भ हुआ. शिविर में पूर्वांचल के 5 जिलों से लगभग 35 प्रतिभागी सम्मिलित हैं. प्रशिक्षण शिविर के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए वरिष्ठ गांधीवादी विचारक एवं इतिहासकार डा. मोहम्मद आरिफ ने कहा कि भारत आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द्र की गौरवशाली परम्परा का देश है, हमे अपनी संस्कृति और परम्पराओं पर गर्व करते हुए उन्हें संजोये रखने की जरूरत है, इस पवित्र विरासत को बचाए रखना हमारे अस्तित्व का प्रश्न है. सह अस्तित्व की यह भावना जो हमारी राष्ट्रीय धरोहर है, को बनाये रखना है तो हमे ऐसी ताकतों से भी होशियार रहना होगा जो अपने निहित स्वार्थ में समाज को जाति, धर्म, भाषा और लिंग के आधार पर विभाजित करना चाहती हैं. आशा ट्रस्ट के समन्वयक बल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा विभिन्न जन अधिकारों के प्रति आम जनता को सचेत रह करके ही हम मजबूत और जागरूक देश का निर्माण कर सकेंगे, हमे इन अधिकारों का व्यापक जन हित में प्रचार प्रसार करना चाहिये. द्वितीय सत्र में जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वयक सदस्य अरविन्द मूर्ति ने कहा कि असंगठित खेत्र अथवा भवन निर्माण में लगे मजदूरो, खेती किसानी के कार्य में लगे भूमिहीन किसान व खेतिहर मजदूरों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली अति आवश्यक है वर्तमान दौर में कार्पोरेट घरानों के दबाव में इस व्यवस्था पर अस्तित्व का संकट आसन्न है, हमे इसे मजबूत करने के लिए तत्पर होना इसके लिए खाद्य सुरक्षा कानून के दायरे में को संशोधित करने की भी आवश्यकता होगी. शिविर के आयोजन में प्रदीप सिंह, महेद्र राठोर, सूरज पाण्डेय, सतीश चौहान, हौशिला यादव आदि की प्रमुख भूमिका रही।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

प्रखर रेवतीपुर (गाजीपुर)। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के चौमुहानी पर शुक्रवार की देर रात तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। पिता-पुत्र की मौत से घर में जहां कोहराम मच गया। वहीं गांववासियों में शोक की चादर तन गई। दुर्घटना के लिए लोग ऊपर वाले की दुहाई देते रहे। बताया गया है कि रेवतीपुर क्षेत्र के देवनारायण पट्टी निवासी राजेंद्र पांडेय (80) रात में घर से खाना खाने के बाद अपने पुत्र उमेश पांडेय (57) के साथ बाइक डेरा पा रहे थे। इसी दौरान घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर 11 बजे अभी चौमुहानी पर ही पहुंचे थे कि नगदीलपुर की तरफ से गाजीपुर की तरफ जा रहे तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दिया, जिससे पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गई। दुर्घटना के बाद चालक पिकअप सहित फरार हो गया। घायलों की चीख-पुकार सुन आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायलों की पहचान करते हुए दुर्घटना की जानकारी परिजनों को दी। कुछ ही देर में परिवार के मौके पर पहुंच गए। लोगों की मदद से आनन-फानन में घायलों को जिला अस्पताल लाए। जहां चिकित्सकों ने पुत्र उमेश पांडेय को मृतक घोषित कर दिया, जबकि राजेंद्र को वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। जाते समय रास्ते में उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

योगेश कुमार बने असिस्टेंट प्रोफेसर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के द्वारा घोषित परिणाम में भवनाथपुर निवासी व प्राथमिक विद्यालय खालिसपुर में अध्यापक हरिनाथ के पुत्र योगेश का चयन रसायन शास्त्र विषय मे असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होने पर शिक्षकों व ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की ।योगेश की प्राथमिक शिक्षा परिषदीय विद्यालय, इंटर तक की नेशनल इंटर कालेज पिण्डरा, उच्च शिक्षा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से हुई,सभी परीक्षाफल में विशेष योग्यता के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की । प्रोफेसर डी एस पाण्डेय के शोध निर्देशन में शोध पूर्ण किया। नेट, जेआरयफ,एस आरएफ फेलोशिप प्राप्त योगेश के पर विकास क्षेत्र पिण्डरा के अध्यापक डॉ कुँवर पंकज सिंह,अनिल मिश्रा,रमाकांत,विजय ,जियालाल ने खुशी जाहिर की।

संक्षिप्त खबरें

दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय में आतंकवाद विरोध दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रखर गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सहजनवा गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आतंकवाद विरोध एवं राष्ट्रवाद पर यह वेबीनार का आयोजन हुआ कार्यक्रम का संचालन करते हुए महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री पवन कुमार ने आतंकवाद एवं राष्ट्रवाद का अर्थ बताते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत संबोधन करते हुए महाविद्यालय के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमित गोयल बताया कि इस प्रकार आतंकवाद वर्तमान समय में विश्वव्यापी समस्या बन चुका है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं कार्यक्रम आयोजक श्रीमती ममता गौतम ने आतंक वाद विरोध एवं राष्ट्रवाद पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने छात्र एवं छात्राओं को राष्ट्रवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को बताते हुए आतंकवाद एवं इसके दुष्परिणाम पर परिचर्चा किया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कुमुद त्रिपाठी ने बताया कि किस प्रकार आतंकवादी एक संकुचित मानसिकता वाला व्यक्ति होता है और यह एक राष्ट्र के लिए अभिशाप के समान है। धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉक्टर अंकिता मद्धेशिया ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापक गण डॉक्टर तरन्नुम बानो डॉ अमित गोयल डॉक्टर दीपक सोनी मनीषा ममता गौतम पवन कुमार डॉक्टर अंकिता मद्धेशिया डॉक्टर महंत यादव एवं श्रीमती रजनी गुप्ता इस वेबीनार से जुड़े एवं कार्यक्रम को सफल बनाया इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने इस वेबीनार में अपनी सक्रिय प्रतिभा गीता की।

छत से गिरकर बुजुर्ग महिला घायल

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम मीनवा की रहने वाली बुजुर्ग महिला शोभा देवी शनिवार को अपराह्न तीन बजे छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं हैं । एंबुलेंस की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठरापार में लाया गया, जहां से डॉक्टर गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल गोरखपुर रेफर कर दिया है । बताया जाता है कि-शोभा देवी कपड़ा सुखाने हेतु घर की छत पर गई हुई थीं, अचानक आया एक बंदर उन्हें धक्का दे दिया, जिससे वह नीचे गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई है ।

गोरखनाथ मंदिर से उतारे गए लाउडस्पीकर, सीएम योगी ने जनहित में स्कूल को सौंपा, सबके लिए दिया है निर्देश

प्रखर गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस निर्णय के बाद कि धर्मस्थलों से उतारे गए लाउडस्पीकर स्कूलों को दिए जाएं, गोरखनाथ मंदिर ने दो लाउडस्पीकर जिला प्रशासन को सौंपे हैं. जिला प्रशासन की तरफ से ये लाउडस्पीकर स्कूलों तक पहुंचा दिए गए हैं. शिक्षा के मंदिरों में गोरखनाथ मंदिर के ये लाउडस्पीकर प्रार्थना, राष्ट्रगान और बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के काम आएंगे. बता दें कि सीएम योगी ने सभी धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर की आवाज कम करने के लिए निर्देश जारी किए थे. इस निर्देश का अनुपालन पूरे प्रदेश में बिना भेदभाव बेहद शांतिपूर्ण तरीके से हुआ. निर्देश जारी होते ही सबसे पहली पहल उस गोरखनाथ मंदिर से हुई जिसके पीठाधीश्वर मुख्यमंत्री स्वयं है. गोरखनाथ मंदिर में वैसे पहले से ही लाउडस्पीकरों की आवाज कम रहती थी. यहां अनावश्यक लाउडस्पीकर नहीं बजते हैं. फिर भी मुख्यमंत्री के निर्देश पर यहां मंदिर की चहारदीवारी की तरफ लगे लाउडस्पीकरों का मुंह मंदिर परिसर की ओर करने के साथ इनकी आवाज को मानक (45 डेसिबल) से भी कम कर दिया गया.

आतंकवादी विरोध दिवस पर थानाध्यक्ष खानपुर संजय मिश्रा ने दिलाई पुलिस कर्मियों को शपथ

प्रखर खानपुर गाजीपुर। जनपद की खानपुर पुलिस ने आज थाना परिसर में आतंकवादी विरोध दिवस पर अपने समस्त पुलिसकर्मियों को आतंकवादियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए शपथ दिलाई पुलिसकर्मियों को थानाध्यक्ष ने मुंहतोड़ जवाब देने के लिए आतंकवाद विरोध दिवस पर खानपुर थाना परिसर में शपथ दिलवाई गयी।थानाध्यक्ष खानपुर संजय मिश्रा ने बताया की 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है।इस दिन को मनाने का उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और हिसा के रास्ते से दूर करना है।आम लोगों की पीड़ा को उजागर करना और यह दिखाना कि यह कैसे राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक है।उन्होंने कहा कि आतंकवाद दुनिया का सबसे गहरा जख्म है।आतंकवाद मानवता का सबसे बडा दुश्मन माना जाता है,जो न तो धर्म देखता है न ही समुदाय, ये हर वर्ग को कभी न भरने वाला जख्म देता है। आज ही के दिन वर्ष 1991 में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। इसी कारण से 21 मई के दिन भारतवर्ष में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने की आधिकारिक घोषणा की गई थी। थानाध्यक्ष खानपुर संजय मिश्रा एवं उनके साथ चौकी प्रभारी सिधौना सुनील तिवारी व चौकी प्रभारी मौधा आशुतोष शुक्ला व थाने के उपनिरीक्षक रतन सिंह,उपनिरीक्षक श्यामराज, उपनिरीक्षक रमाकांत वर्मा,अखिलेश,समेत दर्जनों पुलिसकर्मी मौजूद रहें।।

पिंडरा ब्लॉक के 600 शिक्षकों व अभिवावकों को किया गया प्रशिक्षित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। करो योग रहो निरोग को जन जन तक पहुचाने के लिए बेसिक विभाग द्वारा योग महोत्सव व योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शनिवार को पिंडरा विकास खण्ड चार स्कूलों में 14 न्यायपंचायत के नामित शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। जिसमे 600 लोगो को प्रशिक्षित किया गया। उसी क्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय रमईपट्टी में नोडल शिक्षक प्रवीण कुमार सिंह की देखरेख में तीन संकुलों (बाबतपुर, अहरक व रसूलपुर) के लगभग 150 शिक्षकों ने योग व प्राणायाम के प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभाग किया। वही फूलपुर में डॉ कुँवर पंकज सिंह, समोगरा में कैलाश यादव, सिंधोरा में नवीन सिंह, मंगारी में राजेश सिंह के नेतृत्व में बच्चो, अभिभावकों व शिक्षकों को योगाभ्यास के जरिये प्रशिक्षित किया गया। जो अब नामित स्कूलों में 23 से 28 मई तक योग दिवस के रूप में ग्रामीणों को योगाभ्यास कराएंगे। खंड शिक्षा अधिकारी मंगरू राम इस दौरान जगह जगह आयोजित प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक रिकॉर्ड स्थापित करने की अपील की। बताते चलें कि शिक्षा विभाग 21 जून के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के ठीक एक माह पूर्व योगाभ्यास की शुरूआत की जो विभिन्न रूपो में एक माह तक चलेगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने अकोढ़ी बबुरा मार्ग पर निर्माणाधीन सेतु का किया निरीक्षण

कार्य की धीमी प्रगति पर व्यक्त की नाराजगी, समय से पूरा करने का निर्देश

प्रखर मिजार्पुर। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के निर्देश के क्रम में कल दिनांक 20 मई 2022 को मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने रू0 50 लाख से अधिक लागत से अन्य निर्माण कार्य का कर्णावती नदी के अकोढ़ी-बबुरा मार्ग पर सेतु पहुँच मार्ग व सुरक्षात्मक कार्य का निरीक्षण किया गया। सेतु निर्माण की कुल स्वीकृत लागत रू० 730.00 लाख के सापेक्ष कार्यदायी संस्था सेतु निगम को अब तक कुल रू0 694.14 लाख की धनराशि उपलब्ध करायी जा चुकी है, जिसके सापेक्ष रू० 634.75 लाख व्यय करते हुये कार्य कराया गया है। निरीक्षण के समय उप परियोजना प्रबन्धक सेतु निगम, तहसीलदार सदर फूलचंद, राजस्व निरीक्षक, अवर अभियन्ता, लेखपाल, कांट्रेक्टर एवं ग्राम प्रधान उपस्थित थे। अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि 13 कृषकों को मुआवजा दिया जा चुका है। मौके पर उपस्थित शिवानन्द शुक्ल पुत्र स्व० हरिश्चन्द्र शुक्ल एवं राजेश शुक्ला पुत्र

स्व० लालचन्द्र शुक्ला द्वारा अधिग्रहित भूमि की पैमाइश सही न होने के कारण उनके हित प्रभावित हो रही है। अतः निरीक्षण के समय मौके पर उपस्थित तहसीलदार सदर को निर्देशित किया गया कि सेतु के अन्तर्गत अधिग्रहित भूमि की पुनः पैमाइश कराते हुये इसका निस्तारण एक सप्ताह के अन्दर कर मुख्य विकास अधिकारी को अवगत करायें। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सेतु का निर्माण कार्य पूर्ण है,पहुँच मार्ग भाग में मिट्टी भराई का कार्य बबुरा साइड में पूर्ण है, अकोढ़ी ग्राम की तरफ मिट्टी भराई का कार्य प्रारम्भ है परन्तु न्यूनतम प्रगति पर कार्य चल रही थी। मात्र एक ट्रैक्टर मिट्टी डालते हुये दर्शाया गया, जो अस्वीकार्य है। ठेकेदार को दिनांक 30.05.2022 अनिवार्य रूप से मिट्टी के लिये निर्देशित किया गया और विलम्ब करने पर एफ.आई.आर. करने हेतु सचेत किया गया।

कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि पहुँच मार्ग के सरेखण में आ रहे विद्युत पोल / लाइन को शिफ्ट किये जाने हेतु रू0 18.40 लाख दिनांक 15.12.2021 को अधिशासी अभियन्ता विद्युत-द्वितीय को उपलब्ध करा दिया गया था, किन्तु अभी तक विद्यत विभाग द्वारा पोल शिफ्टिंग का कार्य नहीं किया गया है, जो किसी भी दशा में स्वीकार नहीं है। मौके पर ही विद्युत विभाग के अधिशासी अभियन्ता को दूरभाष पर निर्देशित किया गया कि पोल ध लाइन शिफ्टिंग का कार्य दिनांक 23.05.2022 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराते हुये अवगत कराना सुनिश्चित करें। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को इस कार्य पर निगरानी व समीक्षा करने हेतु निर्देशित किया गया, अन्यथा एम०डी० पूर्वांचल निगम को सूचित करने की स्थिति उत्पन्न होने पर अवगत कराया जायेगा। उप परियोजना प्रबन्धक सेतु निगम को निर्देशित किया गया कि सेतु एवं पहुँच मार्ग के समस्त कार्य को माह फरवरी 2022 तक पूर्ण करना था, परन्तु दो महीने विलम्ब चल रही है, जो संतोषजनक नहीं है। इसके अतिरिक्त वर्तमान में कार्य की प्रगति अत्यन्त धीमी है, जिसके कारण बारिस के पहले कार्य पूर्ण होना कठिन दिख रहा है। निर्माण कार्य में दिनांक 30.05.2022 तक प्रगति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया, अन्यथा इनके विरूद्ध कार्यवाही हेतु शासन को संस्तुति कर दी जायेगी।

युवक पर हमला करने वाले दो दबंग पुलिस के हत्थे चढ़े

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। थाना इलाके के लेदरही गांव में आधा दर्जन दबंगो द्वारा दो युवकों पर हमला कर गंभीर कर देने के मामले में पुलिस ने दो आरोपित को गोरारी बाजार में गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को संगीन धाराओं में चालान न्यायालय भेज दिया। प्रकरण गांव में हुई एक हत्या से जुड़े होने के चलते पुलिस अधिक सतर्कता बरत रही है। बीते गुरुवार की देर शाम उक्त गांव निवासी अहमदुल्लाह, अमीरूल्लाह पुत्र फय्याज गांव के कब्रिस्तान से मिट्टी देकर लौट रहे थे। आरोप है कि आधा दर्जन लोग लोहे की रॉड और अन्य हथियार से हमला बोल दिया। दोनों को गम्भीर अवस्था मे सोंधी अस्तपाल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिए। अहमदुल्लाह का दोनों पैर और एक हाथ की हड्डी कई जगह से फैक्चर हो गई है। जबकि अमीरूल्लाह को गम्भीर चोटे आई।पुलिस ने पीड़ित के तहरीर पर आधा दर्जन संगीन धाराओ में छः नामजद समेत अन्य अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की। मुखबिर की सूचना पर मय फोर्स थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश रॉय ने दो आरोपित मो राजिक पुत्र स्व इम्तियाज अहमद निवासी लेदरही, सलमान पुत्र अब्दुल हमीद निवासी सुम्बुलपुर को गोरारी बाजार से गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। एसओ ने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है, जल्द वे कानून के शिकंजे में होंगे। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओ श्रीप्रकाश रॉय के साथ उपनिरीक्षक शान मोहम्मद, कांस्टेबल गुलाब चन्द्र गिरी, कृष्णानंद यादव, संदीप कुमार समेत अन्य लोग शामिल रहे।

जनपद में रोजगार मेले का किया गया आयोजन

विभिन्न कम्पनियों द्वारा 193 अभ्यर्थियों को किया गया चयनित - जिला सेवायोजन अधिकारी

प्रखर संत कबीर नगर। जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय आई0टी0आई0 व कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में आज राजकीय आई0टी0आई, खलीलाबाद में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि मा0 जिलाध्यक्ष भाजपा जगदम्बा लाल श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

जिला सेवायोजन अधिकारी शैलेन्द्र कुमार शुक्ल ने बताया कि मेले में कुल 08 अधिष्ठानों यथा स्विगी, गोरखपुर द्वारा 25, एंकर इलेक्ट्रानिक्स द्वारा 13, ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल्स द्वारा 17, रोहित हाईब्रिड सीड द्वारा 26, जे0के0 ऑटोमोबाइल्स एण्ड इलेक्ट्रानिक

द्वारा 16, बड़वे इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा 68, अग्रवाल एसोसिएट्स द्वारा 25, वी0एस0 मोटर्स द्वारा 03 प्रतियोगियों विभिन्न पदों के लिए चयन किया गया। मेले में कुल 412 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया गया जिसमें से कुल 193 अभ्यर्थियों का रोजगार हेतु चयन किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष भाजपा अमर राय, प्रधानाचार्य राजकीय आई0टी0आई संतोष कुमार श्रीवास्तव, धीरेन्द्र विक्रम सिंह, संदीप गौड़, जय सिंह सोनकर, दीपक कुमार सी, जितेन्द्र उपाध्याय, अजय राना, भीष्म सिंह, अभिषेक पाठक, आदि उपस्थित रहें।

आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर पुलिस कर्मियों ने लिया शपथ

प्रखर मिजार्पुर। जनपद के समस्त थानों व पुलिस चौकियों, पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय पर मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने का दिलाया गया संकल्प जनपद के समस्त थानों व पुलिस चौकियों, पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय पर आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया । " कोविड - 19 " गाइड लाइन के अनुसार सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन करते हुए जनपदीय पुलिस बल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा आतंकवाद और किसी भी तरह के हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ ली गई । इस दौरान शपथ पत्र को पढ़ा गया कि –– "हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते है तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते है कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे । हम मानव जाति की सभी वर्गों के बीच शान्ति, सामाजिक

सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते है ।" पुलिस कार्यालय पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा तथा जनपद के समस्त थानों एवं पुलिस चौकियों, पुलिस लाइन सहित विभिन्न शाखाओं में प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष/चौकी प्रभारी/शाखा प्रभारी द्वारा आतंकवाद विरोधी दिवस पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम किया गया । आतंकवाद विरोधी दिवस को मनाने का उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के पथ से दूर रखना, शांति और मानवता का संदेश फैलाना, लोगों को जागरूक करना, एकता को बढ़ावा देना एवं युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाना है ।

कार्यकर्ताओं के प्रेम के बदौलत बना एमएलसी: प्रिंसू

शाहापुर गांव में भाजपा कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत, विद्यालय को हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। क्षेत्र के शाहापुर स्तिथ यशोदा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह उर्फ प्रिंसू का स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वायोवृद्ध प० कृष्णनाथ ने किया। स्वागत से गदगद बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित एमएलसी बृजेश सिंह ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी ने मुझे पहले उम्मीदवार फिर निर्वाचित कर सदन में भेजा है। उसका श्रेय पार्टी के कार्यकताओं को जाता है। उनके सम्मान के लिए हमेशा खड़ा रहूँगा। उन्होनें कहा कि विद्यालय में देखकर कर ऐसा लग रहा है, निश्चित ही संस्थान के लोग कड़ी मेहनत किए होंगे। स्कूल के विकास लिए हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा के लिए अच्छा भवन जरूरी है।स्कूल के मदद के लिए हमेशा खड़ा रहूँगा। एमएलसी प्रिंसू ने यह भी कहा कि जिले के सीमित संसाधन वाले विद्यालयों को ही निधि की मदद दुंगा। कार्यक्रम की शुरूआत छात्रा मुस्कान, नेहा व डिम्पल ने सरस्वती वंदना से किया। स्वागत गीत सोनम गुप्ता ने प्रस्तुत किया। शहीदों को समर्पित गीत शहीदा बनो की परस्तुति पर लोगों ने खूब सराहा। संचालन आचार्य कृष्ण मुरारी मौर्य ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंत्री प्रतिनिधि अजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार डॉ कुंवर यशवंत सिंह, संजय विश्वकर्मा, सभासद मनीष गुप्ता, धर्मचंद्र गुप्ता, शुभम जायसवाल, ओमप्रकाश गुप्ता, अनिरुद्ध सिंह, नौशाद अहमद, अफरोज खान, उमाशंकर मिश्र, सिंटू मिश्रा, किशन बिन्द समेत अन्य लोग मौजूद रहे।अंत मे आयोजक डॉ गजेंद्र पांडेय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

जेसीबी मशीन से तालाब खुदाई का वीडियो वायरल

बीडीओ ने कहा अभी शुरू नहीं हुआ है काम, कहा शिकायत मिली तो ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी के खिलाफ दर्ज कराएंगे मुकदमा

प्रखर केराकत जौनपुर। मनरेगा योजना के तहत ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने की योजना केराकत ब्लाक में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। शिकायत है कि ब्लाक क्षेत्र के पूरनपुर गांव में मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत तालाब की खुदाई मजदूरों से नहीं बल्कि जेसीबी मशीन से कराई जा रही है। जिसका एक वीडिओ और फोटो भी वायरल हो रहा है। ब्लाक के अधिकारी हैं कि वे जानने के बाद मामले पर कार्रवाई के वजाय उसको छिपाने में लगे हैं। जिससे नागरिकों में रोष है। जानकारी के मुताबिक पूरनपुर गांव में 33 लाख रुपए की लागत से नवीन तालाब की खुदाई का काम हो रहा है। शिकायत है कि तालाब की खुदाई का काम मनरेगा मजदूरों के वजाय जेसीबी मशीन से कराया जा रहा है। इसके आलावा कार्य स्थल पर कार्य योजना का बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। जेसीबी मशीन से खुदाई का वीडिओ वायरल हो रहा है। जेसीबी मशीन से काम कराये जाने से गांव के मनरेगा मजदूरों में

आक्रोश है। अनेक लोगों ने बीडीओ अनिल कुमार कुशवाहा से इसकी शिकायत की है। इस बारे में पूछे जाने पर बीडीओ अनिल कुमार कुशवाहा ने बताया कि अभी काम शुरू नहीं हुआ है। अभी तो जमीन की नापी कराई गई है और उसका इस्टीमेट बनाया गया है। अब उस पर जल्द ही काम शुरू होगा। वीडिओ वायरल होने के बावत कहा कि इसके पहले जहां खुदाई का काम होना था वहां विवाद के कारण रद्द कर दिया गया। उन्होंने बताया कि यदि किसी गांव से जेसीबी मशीन से खुदाई किए जाने की शिकायत आएगी तो संबंधित ग्रामप्रधान और सेकरेट्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।

चिलचिलाती धूप में मॉडल तालाब व नहरे बने शोपीस

प्रखर केराकत जौनपुर। पृथ्वी पर जल के बिना जीवन की कल्पना नही किया जा सकता भूगर्भ जलस्तर लगातार नीचे खिसक रहा है यही हाल रहा तो आगामी भविष्य में वैश्विक स्तर पर पानी के लिए हाहाकार मचना तय है।सरकार जल संरक्षण को लेकर बड़ी बड़ी योजनाएं चला रही है

भयंकर गर्मी से इंसान के साथ पशु -पक्षी का जीवन बेहाल

गावों को शहरो की तर्ज पर विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है प्रधानमंत्री अमृत सरोवर योजना के तहत तालाब पोखरों का सुंदरीकरण करने का काम पिछले कई वर्षो से किया जा रहा है अगर आज की परिस्थितियो की अगर हम बात करे तो तालाब पोखरे व नहरे सिर्फ शोपीस बनकर रह गई

है बताते चले कि केराकत विकास खण्ड के अंतर्गत लगभग हर ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना के तहत लाखो रुपए की लागत से तालाब की खुदवाई कराई गई थी ताकि जल संरक्षण के साथ साथ अप्रैल,मई और जून ने पड़ने वाली भीषण गर्मियों में मवेशियों व पशु -पक्षियों को पानी पीने के लिए दूर दूर न भटकना पड़े। आज तालाब व पोखरों में धूल उड़ रही है ऐसी स्थिति में जहां चिलचिलाती धूप में लोगो का जीवन बेहाल है तो वही एक बूंद पानी के लिए पशु -पक्षियों को दूर दूर भटकना पड़ रहा है कभी कभी तो गावों के अंदर घुसकर अपनी प्यास बुझाने चले आते है।पर अफसोस होता है कि लाखो की लागत से तैयार कीये गये तालाब पोखरों की स्थिति बद से बदतर हो गया है।मगर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी का ध्यान सूखे पड़े तालाब व नहरों की तरफ नही पड़ रहे हैं जब इस संबंध में वीडियो अनिल कुमार कुशवाहा से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बताया कि तालाबों व पोखरों में पानी की उपलब्धता तभी हो सकती है जब नहरों में पानी आये जाये या तो बारिश हो जाये तभी हो पायेगी एक दो दिन का इंतजार करिए बारिश जरूर होगी। उन्होंने कहा कि तालाब भरने के लिए ऐसा कोई बजट नहीं है जिससे तालाब भरा जा सके अगर इस तरह का कोई निर्देश आता है तो भरवा दिया जायेगा।क्या चिलचिलाती धूप में पशु -पक्षियों को अपनी प्यास बुझाने के लिए बारिश का इंतजार करना चाहिए? बहरहाल कब और कैसे पोखरों व तालाबों में पानी भरा जायेगा ये तो जिम्मेदार ही तय करेंगे।

उपचार के दौरान प्रदीप यादव की हुई मौत, विधानसभा क्षेत्र में शोक की लहर

प्रखर कैम्पियरगंज गोरखपुर। 320 विधान सभा सपा के विधान सभा प्रभारी विक्रम यादव का निधन लखनऊ में उपचार के दौरान हो गयी है।जिनका अंतिम संस्कार आज शाम सम्पन्न होगा।सपा के तेज तर्रार व मृदुभाषी स्वभाव के धनी श्री यादव विगत सप्ताह रामचौरा में गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिनका उपचार चल रहा था।श्री यादव ग्राम प्रधान बादशाहपुर भी वर्तमान में रहे।उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर है।श्री यादव के निधन पर अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार सिंह,संतोष कुमार सिंह,सुरेन्द्र नारायण यादव,जयहिंद,रामरतन यादव,प्रभात यादव,कुश कुमार सिंह,गोपाल जैसवाल ,नागेंद्र मिश्र, प्रभु नारायण पांडेय,दिलीप मिश्र, राकेश गौतम,दिनेश मिश्र, बृजेश,संजय साहनी,ओमप्रकाश चौरसिया,ओम प्रकाश श्रीवास्तव, राम प्रसाद गुप्ता, हेमंत यादव ,नरसिंह यादव,श्याम प्रताप

यादव,प्रदीप गौतम,राम सिद्ध यादव ,राम आद्या मौर्य,छोटेलाल यादव,जैनुल्लाब्दीन, संजय वरुण आदि ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की ईश्वर से कामना की है।

संक्षिप्त खबरें

समाधान दिवस : 172 लोगों ने दिया प्रार्थना पत्र, 7 निस्तारित

प्रखर केराकत जौनपुर। तहसील सभागार में शनिवार को एसडीएम राजेश कुमार चौरसिया की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 172 प्रार्थना पत्र पड़े। तहसीलदार रामसुधार राम ने बताया कि 172 में से 7 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कर दिया गया। समाधान दिवस में सीओ संतप्रसाद उपाध्याय समेत केराकत, डोभी, मुफ़्तीगंज, जलालपुर के बीडीओ और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गीता स्कूलों में पढ़ाया जाना छात्र और राष्ट्रहित में - रितु पांडेय

प्रखर वाराणसी। महिला उत्थान समिति की अध्यक्ष रितु पांडेय ने कहा कि गीता विद्यालयों में पढ़ाया जाना राष्ट्रहित एवं छात्र हित में है। उन्होंने यह भी कहा कि यथार्थ का आधुनिक समय गति का युग और यदि गीता का सही दिशा निर्देश दिया जाए। तो यह अपार सकारात्मक, संभावनाएं सफलता के शीर्ष पर ले जाती है। इसलिए राष्ट्रहित एवं छात्र हित में विद्यालयों में गीता महाकाव्य का अध्ययन पूर्ण रूप से आवश्यक है। क्योंकि किसी भी देश का भविष्य छात्र वर्ग है। और अगर प्रारंभिक शिक्षा पाठ्यक्रम में गीता महाकाव्य को स्थान मिला। तो यह छात्रों को मन स्थिति को सुदृढ़ता से पोषण करने में मददगार होगा। जिससे छात्र के जीवन में सकारात्मकता और बढ़ेगी, साथ ही साथ संपूर्ण व्यक्तित्व विकास मन पर नियंत्रण आत्म बल में वृद्धि व अनुशासन का भाव आएगा। और हमारे पूर्वज जो आदि काल से ही श्रीमद्भागवत गीता का अनुसरण करते आए हैं ।और आत्मसात होने का सौहार्द प्राप्त होगा। जिससे संस्कृति सभ्यता एवं धर्म के प्रति हम सभी में कृष्ण की भावना जागृत होगी। इसलिए एकमत में श्रीमद्भागवत गीता को पाठ्यक्रम में सम्मान पूर्वक स्थान देने के लिए सरकार व शिक्षा विभाग से आग्रह करने की मुहिम में हम सभी को शामिल होना चाहिए।

अवैध असलहा के साथ युवक को पुलिस ने भेजा जेल

प्रखर मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र के ड्रमंड गंज छोटका घुमान पुलिया से पुलिस ने अवैध असलहा लेकर किसी घटना को अंजाम देने के लिए छिपे बैठे युवक को पकड़ कर जेल भेज दिया प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती देर रात को थाना क्षेत्र के ड्रमंड गंज चौकी इंचार्ज आरबी राय हमराही संतोष राय उमेश कुमार सुधीर कुमार के साथ नियमित गश्त पर थे उसी दौरान ड्रमंड गंज घाटी के छोटका घुमान के नीचे पुलिया के पास किसी घटना को अंजाम देने के लिए छुप कर बैठा युवक पुलिस को देख कर भागने लगा पुलिसकर्मियों ने दौड़ाकर युवक को पकड़ लिया युवक की तलाशी लेने पर युवक के पास से अवैध तमंचा बरामद हुआ पुलिस की कड़ाई से पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम डब्लू मिश्रा निवासी ड्रमंड गंज थाना हलिया बताया पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

सड़क सुरक्षा के तहत ट्रैफिक पुलिस व आरटीओ ने एनसीसी कैडर को किया जागरूक

प्रखर गोरखपुर। पुलिस अधीक्षक यातायात डॉ महेंद्र पाल सिंह व आरटीओ श्रीमती अनीता सिंह ने संयुक्त रुप से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें आज महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के देवी शंकर सभागार में एनसीसी कैडरो के जागरूकता हेतु कार्यक्रम किया गया जिसमें आरटीओ एनसीसी डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर , जुबली इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य यातायात निरीक्षक व शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक यातायात डॉ महेंद्र पाल सिंह ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत कार्यक्रम के तहत सड़कों को साफ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा यातायात से संबंधित एंबुलेंस को रास्ता देना, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करना, सिग्नल लाइट के तहत चलना तथा रेड लाइट होने पर स्टॉप लाइन से पीछे रुकना व जेबरा क्रॉसिंग के संबंध में एनसीसी कैडरों को जानकारी दी गई तथा बच्चों को बताया गया कि यहां यातायात से संबंधित दी गई जानकारी घर जाकर अपने परिवार मैं तथा आसपास के लोगों को बताए तथा आरटीओ श्रीमती अनिता सिंह द्वारा लाइसेंस से संबंधित जैसे बिना गियर की गाड़ी चलाने के लिए 16 वर्ष पूर्ण होने पर लाइसेंस बनाया जाता है तथा वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर का प्रयोग करना जीवन सुरक्षा हेतु गाड़ी को सही से चलाना तथा यातायात से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं